हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 7 दिसंबर 2025

ई-केवायसी नहीं कराने वाले 30 लाख से ज्यादा सदस्यों के नाम हुए ब्लॉक, राशन मिलना बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में ई-केवायसी नहीं कराने वाले 30 लाख से ज्यादा उचित मूल्य कार्ड के सदस्यों के नाम ऑनलाइन साफ्टवेयर में ब्लॉक कर दिए गए हैं। इन सदस्यों के नाम पर अब उचित मूल्य की दुकानों में राशन मिलना भी बंद हो गया है। जिन सदस्यों के नाम ब्लॉक हुए हैं, उनमें हजारों की संख्या में कार्ड धारक भी शामिल हैं, जिनके नाम पर कार्ड जारी हुए थे। हरिभूमि लगातार आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी पर केवायसी नहीं कराने वाले सदस्यों के नाम ब्लॉक होने की खबर प्रकाशित करता रहा है। इस खबर पर अब मुहर भी लग गई है। जिला खाद्य नियंत्रक अधिकारी भूपेंद्र मिश्रा ने बताया कि रायपुर जिले में ही लगभग 3 लाख सदस्यों के नाम ब्लॉक हो गए हैं। इन सदस्यों के नाम पर अब राशन मिलना भी बंद हो गया है।

10 अक्टूबर की स्थिति में प्रदेश में 3316778 ने नहीं कराया था केवायसी

प्रदेशभर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत लगभग 82 लाख राशन कार्ड जारी किए गए थे। इन कार्डों में पंजीकृत सदस्यों की संख्या 2.73 करोड़ से अधिक है। 10 अक्टूबर की स्थिति में इन पंजीकृत सदस्यों में से 2.29 करोड़ सदस्यों का ही ईकेवायसी पूर्ण हुआ था, वहीं शेष 44 लाख सदस्यों का केवायसी नहीं हुआ था। हालांकि केवायसी नहीं कराने वाले सदस्यों में लगभग 10 लाख सदस्यों की मृत्यु सहित अन्य कारणों से नाम काटे गए थे। शेष 33 लाख 16 हजार 778 सदस्यों के केवायसी कराने के लिए अंतिम तारीख कई बार बढ़ाई गई। इसके बाद भी इन सदस्यों ने केवायसी नहीं कराया।

मृत्यु और अन्य कारणों से काटे गए दस लाख सदस्यों के नाम

25 अक्टूबर के बाद नहीं बढ़ी तारीख

बचे हुए सदस्यों को केवायसी कराने के लिए अंतिम बार 10 अक्टूबर को नई तारीख तय की थी। इस बार 25 अक्टूबर तक का समय निर्धारित किया था। सूत्रों के अनुसार इस दौरान भी प्रदेशभर में एक से दो लाख सदस्यों ने ही केवायसी कराया। इस तरह शेष 30 लाख से अधिक सदस्यों का अब तक केवायसी नहीं हुआ है। सूत्रों के अनुसार वन नेशन वन कार्ड योजना के तहत केवायसी नहीं कराने वाले राशन कार्ड सदस्यों के नाम ब्लॉक करने का आदेश नवंबर में जारी होना था, लेकिन आखरी मौका देते हुए एक माह का और अतिरिक्त समय दिया गया, लेकिन इसके बाद भी सदस्यों ने केवायसी नहीं कराया।

नाम ब्लॉक कर दिए गए

केवायसी नहीं कराने वाले सदस्यों के नाम ब्लॉक कर दिए गए हैं। जिले में लगभग 3 लाख सदस्यों के नाम ब्लॉक हुए हैं। ब्लॉक होने के बाद अब इन सदस्यों के नाम पर राशन मिलना बंद हो गया है।

*- **भूपेंद्र मिश्रा,** खाद्य नियंत्रक रायपुर*

फैक्ट फाइल

दो लाख सस्पेक्टेड सदस्यों के नाम सितंबर में किए गए थे निरस्त

प्रदेश में सितंबर की स्थिति में 46 लाख सदस्यों ने केवायसी नहीं कराया था, जिसके कारण इन सदस्यों का भौतिक सत्यापन किया गया था। इस दौरान लगभग दो लाख सदस्य सस्पेक्टेड पाए गए थे। इन सभी सदस्यों के नाम निरस्त किए गए थे।

82 हजार कार्ड भी संदेह के दायरे में

प्रदेशभर में 82 हजार 2 सौ राशन कार्ड संदेह के दायरे में हैं। ई-केवायसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह चौंकाने वाले आंकड़े भी विभाग की रिपोर्ट में सामने आ चुके हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर जिन-जिन जिलों में डुप्लिकेट आधार से राशन कार्ड बनाए गए, उनका दोबारा भौतिक सत्यापन कराया गया है। सूत्रों की मानें तो सस्पेक्टेड राशन कार्ड भी थोक में निरस्त किए गए हैं। हालांकि इसका आंकड़ा अभी मिल नहीं पाया है।

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%)	= ₹96043/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	= ₹117300/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	= ₹128044/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels

Pandri, Raipur

*Conditions apply

इंडिगो संकट : बेलगाम किराए पर रोक, तत्काल रिफंड के दिए निर्देश

सरकार ने हवाई किराया किया फिक्स अब 500 किमी के लिए 7500 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

इंडिगो की उड़ान बाधित होने के कारण हवाई टिकटों की बढ़ती कीमतों के बीच सरकार ने शनिवार को दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा 7,500 रुपए से 18,000 रुपए तक सीमित कर दी। नागर विमानन मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि किराया सीमा, लागू शुल्कों को छोड़कर, बिजनेस श्रेणी और उड़ान श्रेणी के लिए लागू नहीं है। हालांकि आदेश में स्पष्ट नहीं किया गया कि यह सीमा केवल इकोनॉमी श्रेणी पर है या प्रीमियम इकोनॉमी श्रेणी पर भी लागू होगी।

सीमा के तहत, 500 किलोमीटर तक की उड़ान के लिए किराया 7,500 रुपए और 500-1,000 किलोमीटर के लिए टिकट की कीमत 12,000 रुपए तय की गई है। वहीं 1,000 से 1,500 किलोमीटर तक चलने वाली उड़ानों के लिए, किराया 15,000 रुपए तक सीमित है तथा 1,500 किलोमीटर से अधिक के लिए अधिकतम सीमा 18,000 रुपये तय की गई है। उदाहरण के लिए, दिल्ली–मुंबई उड़ान, जिसकी दूरी लगभग 1,300 किलोमीटर है, में कम से कम इकोनॉमी श्रेणी का किराया 18,000 रुपए तक सीमित होगा। यह सीमा तब तक लागू रहेगी जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती। इसमें उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ), यात्री सेवा शुल्क (पीएसएफ) और हवाई टिकटों पर कर शामिल नहीं हैं। इंडिगो के उड़ान संचालन में कम से ▶▶ शेष पेज 8 पर

- किराए की अधिकतम सीमा 18 हजार रुपए तय

कितनी दूरी का कितना किराया

500 किमी तक	500-1000 किमी	1000-1500 किमी	1500 किमी से अधिक
अधिकतम 7500 रुपए	अधिकतम 12000 रुपए	अधिकतम 15000 रुपए	अधिकतम 18000 रुपए

सरकार करेगी निगरानी

मंत्रालय ने बयान में कहा कि वह वास्तविक समय डेटा और एयरलाइन तथा ऑनलाइन यात्रा मंचों के साथ सक्रिय समन्वय के माध्यम से किराया स्तर की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगा। बयान में कहा गया है कि निर्धारित नियमों से कोई भी अमान्य बदलाव होने पर जनहित हित में तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। हवाई किराए की सीमा तय करने पर दो पेज के आदेश में मंत्रालय ने कहा कि ये किराया सीमाएं सभी प्रकार की बुकिंग पर लागू ▶▶ शेष पेज 8 पर

चार प्रमुख हवाई अड्डों पर 400 से अधिक उड़ानें रद्द

घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो ने अपनी संचालन संबंधी समस्याओं के बीच शनिवार को चार प्रमुख हवाई अड्डों पर 400 से अधिक उड़ान रद्द कर दीं। 124 उड़ान बेंगलुरु हवाई अड्डे पर जबकि 109 उड़ानें मुंबई हवाई अड्डे पर रद्द की गईं।

कुछ दिनों में सामान्य हो जाएंगी स्थिति

इंडिगो ने कहा कि एयरलाइन पूरे नेटवर्क में अपने परिचालन को पटरी पर लाने के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। हमारी टीमें शेड्यूल को स्थिर करने, देरी को कम करने और ग्राहकों की मदद करने पर केंद्रित हैं।

सरकार द्वारा जारी नए दिशा-निर्देश

सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि किराया सीमाएं लागू उपयोगकर्ता विकास शुल्क, यात्री सेवा शुल्क और करों को छोड़कर हैं। ये किराया सीमाएं बिजनेस क्लास और आरसीएस उड़ानों पर लागू नहीं होंगी। सरकार की ओर से कहा गया है कि ▶▶ शेष पेज 8 पर

सरकार द्वारा जारी नए दिशा-निर्देश

सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि किराया सीमाएं लागू उपयोगकर्ता विकास शुल्क, यात्री सेवा शुल्क और करों को छोड़कर हैं। ये किराया सीमाएं बिजनेस क्लास और आरसीएस उड़ानों पर लागू नहीं होंगी। सरकार की ओर से कहा गया है

कि किराया सीमाएं तब तक लागू रहेंगी जब तक किराये स्थिर नहीं हो जाते या अगला आदेश जारी नहीं होता। ये किराया सीमाएं सभी प्रकार की बुकिंग पर लागू होंगी, चाहे टिकट एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट से खरीदा गया हो या किसी ऑनलाइन ट्रैवल एजेंट के प्लेटफॉर्म से। एयरलाइंस सभी श्रेणियों में टिकट उपलब्धता बनाए रखेंगी और आवश्यकता होने पर उन सेक्टरों में क्षमता बढ़ाने पर विचार करेंगी जहां मांग अचानक बढ़ गई हो।

सनावल थाना का मामला

चाची-भतीजी से गैंगरेप महिला ने लगाई फांसी

शिकायत के बाद भी नहीं लिखी एफआईआर, आईजी ने थाना प्रभारी को किया लाइन अटैच, एएसआई निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

महिला और उसकी नाबालिग भतीजी से सामूहिक दुष्कर्म करने और महिला द्वारा आत्महत्या करने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं करने को आईजी ने गंभीरता से लिया है। शिकायत की जांच के बाद आईजी ने जांचकर्ता एएसआई को निलंबित और थाना प्रभारी को लाइन अटैच कर दिया है। इसके साथ ही एएसपी बलरामपुर को इस मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। पूरा मामला बलरामपुर जिले के ▶▶ शेष पेज 8 पर

पति लौटा तो खुला मामला

परिजन का कहना है कि महिला का पति काम करने के लिए मध्यप्रदेश के जबलपुर गया हुआ था। पत्नी की मौत की जानकारी मिलने के बाद वह घर लौटा। इसके बाद महिला का अंतिम संस्कार हुआ। इधर, बाद में पता चला कि महिला और नाबालिग के साथ तीन युवकों ने गैंगरेप किया था जिसके बाद परिजन ने मामले की जानकारी सनावल पुलिस को दी लेकिन इतने गंभीर मामले को पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया और एफआईआर भी दर्ज नहीं की गई।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

सनावल थाना क्षेत्र का प्रकरण है जिसमें 3 माह पूर्व महिला ने आत्महत्या की थी। इस मामले में जांचकर्ता अधिकारी ने लापरवाही की है। सामूहिक दुष्कर्म के साथ ही आत्महत्या के मामले में अपराध कायम किया गया है। प्रथम दृष्टया थाना प्रभारी और जांचकर्ता अधिकारी की लापरवाही पाई गई है। एएसआई को लाइन अटैच व थाना प्रभारी को लाइन अटैच किया गया है। एएसपी इस मामले की जांच कर रहे हैं। जांच के बाद आगे और भी कार्रवाई होगी।

-दीपक झा, आईजी

खबर संक्षेप

नड्डा ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में किए दर्शन

देवघर। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शनिवार को झारखंड के देवघर में स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर में दर्शन किए। पंडा धर्मरक्षिणी सभा ने मंदिर में उनका स्वागत किया।

नड्डा ने मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव के दर्शन किए। पार्टी अध्यक्ष देवघर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघके शताब्दी समारोह में शामिल होंगे और नव निर्मित पार्टी कार्यालय का उद्‌घाटन करेंगे।

11 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त

गुवाहाटी। राज्य में कई अभियानों के तहत 11 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए जाने के साथ संदिग्ध तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि नशीले पदार्थों के खिलाफ यह कार्रवाई कार्बी आंगलोंग और कछार जिले में की गई। असम पुलिस लगातार ऐसे अभियान चला रही है जो असल जिंदगी के मादक पदार्थ आधारित धारावाहिक या वेब सीरीज जैसे लगते हैं।

थाना प्रभारी ने स्वयं को गोली मारी, इलाज के दौरान मौत

जालौन। यूपी के जालौन जिले के थाना कुठौंद के प्रभारी निरीक्षक ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर स्वयं को गोली मार ली जिससे उनकी मौत हो गई।थाना प्रभारी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। कुठौंद थाने के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार राय ने थाना परिसर के अपने आवास पर सरकारी रिवाल्वर से कथित रूप से स्वयं को गोली मार ली।

अभिनेता अनिर्बान हादसे में बाल-बाल बचे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में लोकप्रिय बांग्ला अभिनेता अनिर्बान चक्रवर्ती की कार एक बस से टकरा गई। यह दुर्घटना दक्षिण कोलकाता के चारु मार्केट के पास उस समय हुई, जब चक्रवर्ती की कार उनका चालक चला रहा था। वह और उनका वाहन चालक दोनों सुरक्षित हैं लेकिन कार को काफी नुकसान हुआ है। दक्षिण-उत्तर मार्ग पर चल रही बस में यात्री सवार थे।

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने पीएमओ, सीबीआई के पास पत्र लिखकर सीबीआई जांच की मांग की थी

500 करोड़ के डीएमएफ घोटाले की होगी जांच सीबीआई ने मांगे दस्तावेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य के चर्चित पांच सौ करोड़ रुपए की डीएमएफ घोटाले की जांच सीबीआई कर सकती है। खनिज विभाग के डायरेक्टर रजत बंसल ने बिलासपुर कमिश्नर को विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार करने और सभी संदिग्ध परियोजनाओं की जांच के निर्देश जारी किए हैं। यह कार्रवाई पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर द्वारा पीएमओ और सीबीआई में की गई शिकायतों के बाद तेज हुई है।

निदेशक रजत बंसल ने 12 नवंबर को कमिश्नर को जो पत्र भेजा है, उसमें डीएमएफ मद में व्यापक प्रक्रियागत उल्लंघन, मनमाने अनुमोदन, प्राथमिकताओं की अनदेखी और संभावित वित्तीय गड़बड़ियों की जांच किए जाने की बात का उल्लेख किया है। शिकायतों के अनुसार डीएमएफ का मूल उद्देश्य स्वास्थ्य, ▶▶ शेष पेज 8 पर

कंवर ने लगाया यह आरोप

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने पीएमओ, सीबीआई में जो शिकायत दर्ज कराई है, उसके अनुसार राज्य के कई जिले विशेषकर कोरबा में, ऐसे कार्यों को डीएमएफ से स्वीकृति दी गई, जो न तो प्राथमिकता की श्रेणी में आते थे और न ही स्थानीय जरूरतों पर आधारित थे। कंवर ने दावा किया कि अनुमोदन प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन नहीं हुआ और कई स्वीकृतियां विवेकाधीन आधार पर दी गईं। पूर्व गृहमंत्री की शिकायत पर सीबीआई ने राज्य सरकार से बड़े पैमाने पर दस्तावेज मांगे हैं, जिनमें अनुमोदन फाइलें, तकनीकी स्वीकृतियां, वित्तीय उपयोग विवरण, परियोजना प्रगति रिपोर्ट और लाभार्थी मूल्यांकन से जुड़े रिकॉर्ड शामिल हैं। इसके बाद खनन निदेशालय ने संभागीय स्तर पर जांच का आदेश जारी किया।

सीबीआई तीन बड़े मामलों की कर रही जांच

राज्य में सीबीआई से बैन हटाने के बाद सीबीआई तीन बड़े मामलों की जांच कर रही है। इनमें प्रमुख रूप से महादेव सट्टा एप, सीजीपीएससी घोटाला, बिरनपुर हत्याकांड की जांच कर रही है। इसके साथ ही सीबीआई अब डीएमएफ फंड घोटाले की जांच करेगी।

ब्लू टिक से जुड़ा है आरोप

मस्क के 'एक्स' पर 1080 करोड़ रुपए का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

यूरोपीय संघ ने एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डिजिटल नियमों के उल्लंघन को लेकर बड़ा कदम उठाया है। ईयू के डिजिटल सर्विस एक्ट (डीएसए) के नियम तोड़ने पर 'एक्स' पर 120 मिलियन यूरो यानी लगभग 1,080 करोड़ रुपये का भारी जुर्माना लगाया गया है। यूरोपीय आयोग के मुताबिक एक्स के प्लेटफॉर्म ने पारदर्शिता और यूजर सुरक्षा से जुड़े तीन मुख्य नियमों का उल्लंघन किया है, जिससे यूजर्स ब्लू टिक मार्क और विज्ञापन डाटाबेस को लेकर गुमराह हो सकते थे।

रिसर्चर्स के लिए डेटा एक्सेस में बाधा

जांच में यह भी सामने आया कि एक्स प्लेटफॉर्म रिसर्चर्स को डेटा एक्सेस करने में अनावश्यक बाधाएं खड़ी करता है। यह कदम पारदर्शिता और सार्वजनिक हित की भावना के खिलाफ है। ईयू के कार्यकारी उपाध्यक्ष ने कहा कि धोखे, विज्ञापन छिपाना और रिसर्च बाधित करना यूरोपीय डिजिटल कानूनों में स्वीकार्य नहीं है और डीएसए इसी से सुरक्षा देता है।

कुलदीप, कृष्णा का कमाल और यशस्वी के शतक ने दिलाई जीत

एजेंसी ▶▶ विशाखापत्तनम

कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 61 गेंद शेष रहते नौ विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से जीत ली। कुलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (9.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए जिससे क्विंटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गई। भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट ▶▶ शेष पेज 8 पर

नौ दिसंबर से टी-20 सीरीज

भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भिड़ेंगी।

हरिभूमि-आईएनएच-जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी को दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़, मप्र और हरियाणा की कई हस्तियों ने किया याद, कैप्टन अभिमन्यु ने कहा- स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी का सामाजिक दायरा बहुत बड़ा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

हरिभूमि- आईएनएच- जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताजी श्री कीर्ति नारायण द्विवेदी का 25 नवंबर को देवलोक गमन होने के बाद से उनके यहां श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा हुआ है। शनिवार को भी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा सहित कई राज्यों की बड़ी हस्तियां डॉ. हिमांशु द्विवेदी के यहां ग्वालियर स्थित चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित त्रयोदशी, पूजा व गंगा प्रसादी में शामिल हुईं। इस मौके पर स्व. श्री कीर्ति नारायण द्विवेदी का स्मरण करते हरियाणा सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि स्व. पंडित कीर्ति नारायण एक महान समाजसेवी थे। उनका समाज सेवा का दायरा काफी बड़ा था। जो भी उनके संपर्क में आया, वो उनका सेवाभाव देखकर हैरान ▶▶ शेष पेज 8 पर

मप्र के डिप्टी सीएम, विधानसभा अध्यक्ष समेत कई मंत्री पहुंचे

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पुण्यात्मा को नमन करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की है। इसके साथ पूर्व मंत्री माया सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता आशीष अग्रवाल भी लंबे समय तक मौजूद रहे। ग्वालियर के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना सभा एवं गंगा प्रसादी के साथ ब्राह्मणों को भोजन कराया गया और परंपरानुसार हवन पूजन किया गया। इस दौरान देर रात तक शुभचिंतकों, जनप्रतिनिधि एवं समाज सेवियों का देर रात तक तांता लगा रहा।

GRAND LAUNCHING

TODAY TIME 11:00 AM TO 6:00 PM

ANANDAM

LOGISTICS & INDUSTRIAL PARK

सुगम व्यापार की नई शुरुआत-यहीं से!

सुनहरा मौका नये व्यापार के साथ...

बेहतरीन लोकेशन,
बेहतरीन कनेक्टिविटी
NH-53 और NH-30 के जंक्शन
के पास स्थित यह प्रोजेक्ट

TOWN & COUNTRY APPROVED TOWN & COUNTRY

44 एकड़ का प्रीमियम इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक पार्क | लॉजिस्टिक्स + वेयर हाउस हेतु प्लॉट | 6-लेन बाईपास रोड से सीधी पहुँच | सेंट्रल इंडिया का सबसे कनेक्टेड बिज़नेस लोकेशन

AMENITIES

- 30mts, 18mts, 9mts concrete roads
- External lightings in Roads
- Public Toilet
- Drainage system
- Common Parking Space
- Commercial Plot for future Office space
- Amenities Space

ATUL PUBLICITY

Anandam Logistics & Industrial Park,
Near 6 Lane Bypass Road, Guma, Raipur (C.G.)

RERA NO.
PCGRERA281125002011
www.rera.cgstate.gov.in

SCAN FOR LOCATION

9302399000 Anil, 8223072000 Rupesh,
9826134367 Abhishek, 9300631000 Yogesh, 9406550111 GS

बिलासपुर
रविवार 7 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण पक्ष तृतीया
वर्ष : 25, अंक : 254
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5 .00***

मौसम
अधि. 27.6
न्यूून. 12.9

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

9
टीम इंडिया ने दिखाया दम, 61 गेंदों के शेष ...

आज कल
2 पुतिन के दौरे का सामरिक-आर्थिक महत्व

रबी सीजन में चार फसलों का बीमा, प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित, ओटीपी से होगा वेरीफिकेशन

देवीलाल साहू ⏭ भिलाई

खास खबर

धान कटाई अंतिम चरण में है। इसी के साथ ही रबी फसल के लिए दलहन-तिलहन की बुआई शुरू हो गई है। इसी के साथ केंद्र सरकार ने किसानों के लिए रबी सीजन फसल बीमा योजना भी शुरू की है। जिसमें चार फसलों को अधिसूचित किया गया है। किसान इस सीजन में गेहूं, सरसों, चना, अलसी का बीमा करवा सकेंगे। प्रति हेक्टेयर ऋणमान, प्रीमियम दर, प्रीमियम राशि निर्धारित किया गया है। खास बात यह है कि इन निर्धारित फसलों का प्रीमियम दर 1.5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। फसल बीमा कराने पर मोबाइल में ओटीपी के माध्यम से वेरिफिकेशन किया जाएगा। धान फसल भी रबी सीजन में किसानों ने ली है, लेकिन इसका बीमा इस बार भी नहीं होगा। कृषि विभाग के अनुसार गेहूं सिंचित के लिए ऋणमान 38 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 570 रुपए तय है। गेहूं असिंचित के लिए ऋणमान 25 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 370 रुपए तय है। चना के लिए ऋणमान 42 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 630 रुपए तय है। सरसों के लिए ऋणमान 28 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 420 रुपए तय है। अलसी के लिए ऋणमान 17 हजार रुपए और प्रीमियम दर 1.5% निर्धारित है। प्रीमियम राशि 255 रुपए तय है। ⏭ शेष पेज 8 पर

पीएम फसल बीमा : चना के लिए प्रीमियम राशि 630, सरसों के लिए 420 रुपए निर्धारित

रबी सीजन में धान का बीमा नहीं

रबी सीजन में किसान धान फसल का बीमा नहीं करवा सकेंगे। पिछले साल की तरह इस बार भी रबी सीजन में चना, गेंहू के अलावा सरसों, अलसी फसल का बीमा कराने प्रीमियम राशि तय किया गया है। किसानों को स्पष्ट सूचना दी गई है कि धान फसल के लिए बीमा नहीं होगा। इस बार कृषि विभाग की ओर से रबी सीजन के तहत धान का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है। विभाग के हिसाब से दलहन-तिलहन फसल पर जोर दिया जा रहा है।

31 दिसंबर के पहले कराएं बीमा: जिले के अऋणी किसान रबी फसल के लिए पीएम बीमा योजना का लाभ ले सकते हैं। 31 दिसंबर तक किसान अपने दस्तावेजों के साथ बीमा करवा लें। इससे क्षति की स्थिति में नुकसान उठाना नहीं पड़ेगा। -**संदीप कुमार भोई**, उपसंचालक, कृषि जिला दुर्ग

किसानों के लिए यह दस्तावेज अनिवार्य

कृषि विभाग के मुताबिक अऋणी किसान अपने अधिसूचित फसल का बीमा कराने के लिए स्वयं का बोआई प्रमाण पत्र, बीमा प्रस्ताव पत्र, खसरा बी-1, पी-2, आधार कार्ड, नवीनतम बैंक पासबुक एवं किसान का वैध मोबाइल नं बटाईदार/कास्तकार/साझेदार के लिए साझा/ कास्तकार का घोषणा पत्र प्रस्तुत कर लोक सेवा केंद्र, सहकारी समिति, बैंक या कृषक स्वयं मोबाइल नंबर में क्रॉप इंश्योरेंस एप के माध्यम से फसल बीमा करा सकते है। फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कार खाई में गिरी, एक ही परिवार के चार की मौत

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शनिवार को एक कार के खाई में गिर जाने से उसमें सवार एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। यह दुर्घटना किश्तवाड़ शहर से लगभग 25 किलोमीटर दूर द्राबशल्ला संपर्क मार्ग पर उस समय हुई, जब परिवार सरथल माता मंदिर में दर्शन करने के बाद डोडा के देस्सा गांव स्थित अपने घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोग पीड़ितों को बचाने के लिए दौड़े और एक लड़की सहित तीन लोगों को मौके पर मृत पाया।

लोकसभा में पेश हुआ राइट टू डिस्कनेक्ट बिल 2025,कई सांसदों ने पेश किया प्राइवेट मेंबर बिल

राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, ऑफिस के बाद बॉस का फोन न उठाने का हक

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में ‘ राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025’ पेश किया। इस बिल का मकसद भारत में वर्कर्स और एम्प्लॉइज के लिए वर्क-लाइफ बैलेंस को बढ़ावा देना है। एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया। खास बात यह है कि लोअर हाउस और अपर हाउस दोनों के मेंबर उन मुद्दों पर बिल पेश कर सकते हैं जिनके बारे में उन्हें लगता है कि उन पर सरकारी कानून की जरूरत है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एक तरफ तो देश में 70 घंटे काम करने को लेकर बहस चल रही है। कुछ लोग इसके पक्ष में हैं तो वहीं जेनजी वर्ग इसके खिलाफ है। इस डिबेट में वो ‘पर्सनल लाइफ, मी टाइम, वर्क लाइफ बैलेंस’ जैसे तर्कों का इस्तेमाल करता है। इन सब के बीच लोकसभा में एक बिल पेश हुआ है, जो ऑफिस के बाद या छुट्टी के दिन बॉस का फोन ना उठाने और काम से संबंधित किसी मेल का जवाब ना देने के अधिकार ⏭ शेष पेज 8 पर

राइट टू डिस्कनेक्ट बिल में क्या है?

बिल में प्रावधान है कि किसी भी नॉन-कम्प्लायंस के लिए एंटिटीज (कंपनियों या सोसाइटीज) पर उनके एम्प्लॉइज की टोटल सैलरी का 1 परसेंट का जुर्माना लगाया जाना चाहिए। यह बिल हर एम्प्लॉई को काम से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन से डिस्कनेक्ट करने का अधिकार देता है। इसका मतलब है कि कर्मचारी ऑफिस टाइम के बाद बॉस के फोन या ईमेल से मुक्त रहने का अधिकार देता है। सामान्य शब्दों में कर्मचारियों को ऑफिस टाइम के बाद बॉस के फोन या ईमेल का जवाब देने से कानूनी रूप से फ्री हो जाएंगे।

मेंसुरेशन को लेकर पेश किए गए बिल: एक अन्य प्राइवेट मेंबर बिल, ‘मेनस्ट्रुअल बेनिफिट्स बिल, 2024’ कांग्रेस सांसद कडियम काव्या की ओर से पेश किया गया, जिसमें महिलाओं को मेंसुरेशन के दौरान वर्कप्लेस पर सुविधाएं और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने का प्रावधान है। लोजपा सांसद शंभवी चौधरी ने भी प्रस्तावित कानून पेश किया, जिसमें कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए पेड पीरियड लीव, मेंसुरेशन से जुड़ी हाइजीन सुविधाएं और स्वास्थ्य लाभ की व्यवस्था शामिल है।

तमिलनाडु को नीट से छूट देने की मांग

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने तमिलनाडु को मेडिकल अंडरग्रेजुएट एडमिशन के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) से छूट देने वाला बिल पेश किया। पिछले महीने, राष्ट्रपति की ओर से तमिलनाडु को नीट से छूट देने वाले राज्य कानून को मंजूरी न देने के बाद, राज्य सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने भारत में मृत्युदंड समाप्त करने का बिल पेश किया।

नौवें संस्करण की तैयारी

‘परीक्षा पे चर्चा’ के लिए 11 जनवरी तक पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चर्चा कार्यक्रम ‘परीक्षा पे चर्चा’ का नौवां संस्करण जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा जिसके लिए पंजीकरण 11 जनवरी तक खुले हैं। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, परीक्षा पे चर्चा अपने 9वें संस्करण के साथ वापस आ गया है। भारत और विदेश के छात्र, अभिभावक और शिक्षक परीक्षा के तनाव पर चर्चा करने और परीक्षाओं को एक उत्सव ⏭ शेष पेज 8 पर

2025 में बना था वर्ल्ड रिकॉर्ड

परीक्षा पे चर्चा ने 2025 में 245 से अधिक देशों के छात्रों, 153 देशों के शिक्षकों और 149 देशों के अभिभावकों की भागीदारी के साथ एक उल्लेखनीय गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 2018 के पहले संस्करण में केवल 22,000 प्रतिभागियों से बढ़कर 2025 के आठवें संस्करण में 3.56 करोड़ पंजीकरणों तक पहुंच गई है। इसके साथ ही, परीक्षा पे चर्चा 2025 से संबंधित राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन गतिविधियों में 1.55 करोड़ लोगों ने भाग लिया जिससे इसमें कुल भागीदारी लगभग पांच करोड़ हो गई।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा नई दिल्ली और मॉस्को में दोस्ती की एक नई इबारत लिख गया है। दोनों देशों ने मजबूत आर्थिक साझेदारी के लिए पंचवर्षीय योजना बनाने और व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने पर सहमति जताई। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो भारत के लिए अमेरिका के मुकाबले रूस ज्यादा भरोसेमंद है। शिखर बैठक ने इस भरोसे को और मजबूती दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। हमारी विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि यूक्रेन में युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। भारत अगर अमेरिका की तनी हुई भौंहों की उपेक्षा करने में सफल रहा तो रूस भी पश्चिमी देशों को ठेंगे पर लेने और भारत में अपना बाजार बढ़ाने के प्रयासों में सफल रहा। पुतिन की इस यात्रा के बाद यह सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

पुतिन के दौरे का सामरिक-आर्थिक महत्व

विश्लेषण

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

> **रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात, बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली और मॉस्को के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है। यह यात्रा न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का मंच है, बल्कि यह दर्शाती है कि दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच की साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है। यह भारत को वैश्विक मंच पर बहु-ध्रुवीय नीति पर चलने की ताकत देती है।**

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात, बदलते वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली और मॉस्को के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है। यह यात्रा न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा का मंच है, बल्कि यह दर्शाती है कि दबाव के बावजूद दोनों देशों के बीच की साझेदारी समय की कसौटी पर खरी उतरी है। पुतिन का यह दौरा न केवल पारंपरिक ऊर्जा जैसे तेल, गैस और रक्षा सहयोग तक सीमित है, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, स्वास्थ्य, कृषि जैसे कई मोर्चों पर दोनों देशों की साझेदारी को आगे बढ़ाने की एक बड़ी योजना है। इस दौरान दोनों देशों ने 2030 तक व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य भी रखा है। पुतिन के भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने मजबूत आर्थिक साझेदारी के लिए पंचवर्षीय योजना बनाने और व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने कुल 11 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि यूक्रेन में युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए।

आर्थिक साझेदारी महत्वपूर्ण

मोदी और पुतिन के बीच शिखर वार्ता का मुख्य बिंदु तेल और रक्षा के पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग से हटकर आर्थिक साझेदारी को महत्वपूर्ण रूप से व्यापक बनाना था, हालांकि पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर रूस के साथ अपने संबंधों को कम करने के लिए दबाव बढ़ रहा था। बैठक के बाद दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति देने के अपने दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह मित्रता ''ध्रुव तारे'' की तरह अडिग बनी हुई है। व्लादिमीर पुतिन का यह भारत दौरा केवल एक मुलाकात भर नहीं, बल्कि यह दोनों देशों के रिश्तों में एक नए अध्याय की शुरुआत है। यह विश्व के बदलते समीकरण को भी नए सिरे से परिभाषित करने का काम करेगा। दरअसल, भारत पश्चिमी मुल्कों को यह संदेश देना चाह रहा है कि यह किसी के दबाव में विदेश नीति का निर्माण नहीं करता और ना ही किसी ध्रुव का हिस्सा है। वहीं, दूसरी ओर पुतिन चीन को यह बतलाना चाह रहे हैं कि रूस केवल एक देश पर निर्भर नहीं रहेगा बल्कि वह विकल्पों की तलाश में है।

पश्चिम के देश असहज

अहम बात यह है कि बदलते वक्त के दौर में भी भारत और रूस एक-दूसरे के करीब नजर आए हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन की सबसे दुर्लभ विदेश यात्राओं में से एक है। पिछले तीन वर्षों से अमेरिका और यूरोप पुतिन को वैश्विक मंच से अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत जब पुतिन का 'रेड कार्पेट' वेलकम करता है, तो पश्चिमी देशों की यह मुहिम कमजोर साबित होती दिखती है। रूस से भारत के संबंधों को लेकर पश्चिम के देश असहज भी रहते हैं। पश्चिमी देशों की कोशिश है कि पुतिन को अलग-थलग कर दिया जाए। लेकिन भारत जैसा बड़ा देश पुतिन का गर्मजोशी से स्वागत करता है। तो ऐसे में यूरोप की इस रणनीति पर पानी फिरता दिख रहा है। जब भारत जैसा बड़ा लोकतांत्रिक देश रूस के साथ बड़े समझौता करता है तो इससे बाकी दुनिया में एक संदेश जाता है कि पुतिन विश्व के अहम नेताओं की लिस्ट में शुमार हैं। रूस की इकॉनमी को कमजोर करने के इरादे से यूरोप और अमेरिका ने रूस पर कई बैन लगाए थे। लेकिन भारत सस्ती कीमत पर रूस से कच्चा तेल काफी मात्रा में खरीद रहा है। यूरोप को लगता है कि रूस पर लगे बैन के बावजूद उसे अच्छा-खासा रेवेन्यू मिल रहा है, जिसे वह यूक्रेन युद्ध में खर्च कर रहा है।

यूरोप की रणनीति को धक्का

अमेरिका और यूरोप चाहता है कि रूस से कोई भी देश डिफेंस इक्विपमेंट या हथियारों का कोई कारोबार ना करे। लेकिन हथियारों के मामले में भारत हमेशा से रूस का सबसे बड़ा और भरोसेमंद खरीदार रहा है। इससे यूरोप की उस रणनीति को धक्का पहुंचता है, जिसमें वह चाहता है कि सैन्य रूप से भी रूस को अलग-थलग कर दिया जाए। पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस की खुलकर निंदा करें और वह यूरोप के खेमे में आ जाए। लेकिन भारत ने यहां अपनी विदेश नीति का पालन करते हुए इस पर निष्पक्ष रुख रखा। उसने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में वोटिंग से दूरी बनाए रखी है और किसी भी पाले में शामिल नहीं हुआ। भारत के इस निष्पक्ष रुख से दोनों देशों के रिश्ते को और मजबूती मिलेगी। दरअसल, पश्चिमी देश रूस के खिलाफ पूरी दुनिया को लामबंद करना चाहते हैं, लेकिन पुतिन का भारत दौरा रूस-चीन-भारत के बीच मजबूत होते संबंध का मैसेज देता है। ऐसे में यूरोप के लिए पुतिन के इस दौरे को कूटनीतिक झटके के रूप में देखा जा सकता है। कुल मिलाकर दुनिया भर की नजर मोदी और पुतिन के बीच होने वाली बातचीत पर रही जिसमें दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति प्रदान करने की अपनी दृढ़ इच्छा प्रदर्शित की। भारत, रूस और चीन का करीब आना अमेरिका के लिए कहीं न कहीं एक बड़ी चिंता है। अमेरिका ने उन देशों पर करीबी से निगरानी की जो रूस से तेल, गैस या अन्य संसाधन लेते हैं। इन सबके बाद भी भारत ने रूस से लगातार तेल खरीदना जारी रखा। यह सब अमेरिका और पश्चिमी देशों को बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा था। ब्रिक्स में नई करेंसी की बात करना और अमेरिका के खिलाफ जाकर भारत का लगातार रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदना इन्हीं सब चीजों को देखते हुए अमेरिका ने भारत के ऊपर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया। इन सब चुनौतियों के बाद भी भारत और रूस का करीब आना एक नए ग्लोबल शिफ्ट के रूप में देखा जा रहा है।

भारत के लिए राष्ट्रहित अहम

यह स्पष्ट करता है कि भारत पश्चिम के दबाव में आकर अपनी विदेश नीति तय नहीं करेगा। भारत की विदेश नीति के केंद्र में उसके राष्ट्रीय हित, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास प्राथमिकता में हैं। इन सबके बीच पुतिन की भारत यात्रा एक बड़े वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करती है। अमेरिका को यह डर है कि भारत रूस संबंधों में मजबूती, रूस, चीन और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने का काम करेगी। इससे भविष्य में अमेरिका और पश्चिमी देशों का जो प्रभुत्व है, वह कमजोर हो सकता है। यह यात्रा केवल समझौतों पर हस्ताक्षर करने से कहीं अधिक है, यह एक रणनीतिक आश्वासन है। यह भारत को वैश्विक मंच पर बहु-ध्रुवीय नीति पर चलने की ताकत देती है।

अनुपम मित्रता का श्रेष्ठ उदाहरण हैं भारत-रूस

आयाम

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

दो दिवसीय यात्रा पर भारत पधारे रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का न केवल भारतीय शासन ने अत्यंत गरिमामयी ढंग से राजकीय सम्मान किया, अपितु देश के लोगों में भी उनके आगमन से अपार हर्ष है। पुतिन की इस यात्रा से दोनों देशों के ऐतिहासिक पारस्परिक संबंधों को एक नया विश्वसनीय आयाम प्राप्त हुआ है। हालांकि भारत-रूस के संबंध गत नौ-दस दशकों से विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर विश्वास तथा सहायता पर आधारित ही रहे हैं, किंतु गत एक दशक में विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की एक नवायामी दिशा परिलक्षित होती हुई दिखाई दे रही है। इससे विश्व के देशों की नई शक्ति श्रेणी निर्धारित हो रही है। अमेरिका, चीन तथा यूरोपीय देशों की परहितकारी गुप्त नीतियों को भारत-रूस की मैत्री से कठिन चुनौतियां मिल रही हैं। संभवतः विश्व में भारत एवं रूस ही ऐसे दो देश हैं, जिनका संयोजन स्वार्थ की भेंट नहीं चढ़ा। इनके मध्य उपभोक्ता उत्पादों के व्यापार में अधिक भागीदारी न होने के बाद भी, दोनों ही राष्ट्रों ने इस कारण कभी पराभव अनुभव नहीं किया। इसके विपरीत भूराजनीतिक, आर्थिक, युद्धक एवं अन्य संकटों की समयावधि में दोनों ही देशों ने एक-दूसरे की बढ़चढ़ कर सहायता की है।

> *दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु कुछ वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है।*

अभी पुतिन की इस यात्रा के बाद तो सुनिश्चित होता दिख रहा है कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सहायता एवं समर्पण की परिधि को सुदृढ़तापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए सदैव कटिबद्ध रहेंगे। पुतिन ने इससे पहले सन् 2000, 2012, 2014, 2018, 2021 में पांच बार भारत की यात्रा की है। कोरोना काल के बाद उनकी यह पहली भारतीय यात्रा है। हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्तारूढ़ होने के बाद सात बार रूस की यात्रा की है, किंतु गत सितंबर में चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर वार्ता में रूस के साथ द्विपक्षीय वार्ता के समय दोनों राष्ट्राध्यक्षों के मध्य पुतिन की कार में बैठकर परस्पर व गुप्त संवाद करने का जो चित्र-चलचित्र प्रसारित हुआ था, उससे भलीभांति अवगत हो गया था कि विश्व, विशेषकर दक्षिण एशिया में अमेरिकी कूटनीतिक प्रसारण पर प्रतिबंध हेतु अधि संभवतः रूस-भारत तथा कम संभावित रूप में रूस-भारत-चीन के बीच एक नई वैश्विक राजनीतिक समझ विकसित होने लगी है। पुतिन की भारत यात्रा की समयावधि में यह पहली बार है कि दोनों देशों की ओर से रक्षामंत्रियों, विदेशमंत्रियों एवं सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर टू प्लस टू वार्ता का आयोजन किया गया। पुतिन-मोदी की अध्यक्षता में संपन्न 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रेस भेंटवार्ता से स्पष्ट है कि दोनों देश अब आगे भविष्य में सामरिक संबंधों के साथ-साथ आर्थिक-व्यापारिक संबंधों को भी शक्तिसंपन्न करने हेतु संकल्पबद्ध हैं। दोनों नेताओं की भेंटवार्ताओं से भारत-रूस की कार्यनीतिक सहभागिता को नवदिशा प्राप्त हुई है। हालांकि दोनों ही देशों के मध्य सोवियत संघ के अस्तित्व के समय से ही द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश समझौतों का दीर्घकालिक दृढ़ संबंध रहा है, किंतु विगत कुछ वर्षों में दोनों का द्विपक्षीय व्यापार इनके आर्थिक समन्वयन के साथ नवशिखर तक पहुंचा है। सोवियत संघ के विघटन होने पर रूस की उत्पत्ति के बाद रूस-भारत का द्विपक्षीय व्यापार 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में वर्ष 2024-25 के वित्तीय वर्ष में 68.7 बिलियन डालर तक पहुंच चुका है। इस शिखर वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। जहां पुतिन ने भारत को निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति करते रहने का आश्वासन दिया है, वहां दोनों देशों ने निवेश अनुबंधों के अंतर्गत भारतीय कंपनियों को रूस के तेल एवं गैस, औषधि व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, तो रूसी कंपनियों को भारत के ऊर्जा, अवसंरचना निर्माण तथा विनिर्माण क्षेत्रों में पहले से अधिक निवेश करने के लिये प्रेरित किया है। वार्ता में ऐसे ही विभिन्न कार्यक्षेत्रों सहित निर्बाध एवं सुगम पारस्परिक प्रवासन व गतिशीलता के 16 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग अधिक बढ़ेगा। पुतिन की यात्रावधि में महत्त्वपूर्ण इंडिया-रूस बिजनेस फोरम में मोदी ने विश्व में सबसे कम मूल्यों के साथ उपलब्ध श्रेष्ठ गुणवत्ता की भारतीय औषधियों के निर्माण में रूसी औषध उद्योग के सहयोग का आह्वान भी किया है। लगभग सभी क्षेत्रों में रूस ने भारत की हमेशा एक सच्चे मित्रराष्ट्र के रूप में सहायता की है। प्रत्युत्तर में भारत ने भी अपने मैत्रीपूर्ण कर्त्तव्यों का सदैव उत्तरोत्तर निर्वहन किया है।

हैदराबाद हाउस से उठती कूटनीति की गूंज

समीकरण

कांतिलाल मांडोत

स्वतंत्र पत्रकार

हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात सिर्फ दो राष्ट्राधिकारियों का औपचारिक संवाद नहीं था, बल्कि एक ऐसे वक्त में हुई ऐतिहासिक बैठक थी जब वैश्विक राजनीति कई मोर्चों पर तीव्र परिवर्तन से गुजर रही है। विश्व व्यवस्था के बदलते समीकरण, यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि, अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों का बढ़ता दबाव, एशिया की नई रणनीतिक प्राथमिकताएं आदि इन सभी के बीच पुतिन का भारत आना और भारत द्वारा अपनी कूटनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से दुनिया के सामने रखना बेहद महत्वपूर्ण है। इस उच्चस्तरीय मुलाकात में भारत ने यह दो टूक कहा कि वह न्यूट्रल नहीं है, बल्कि शांतिपक्ष में है। यह बयान अपने आप में भारत की परिपक्व, आत्मविश्वासी और स्वतंत्र विदेश नीति का परिचायक है। भारत ने दुनिया को संकेत दिया कि वह किसी खेमे की राजनीति में नहीं बँधने वाला, बल्कि उसकी प्राथमिकता वैश्विक शांति, स्थिरता और संवाद है। यही भारतीय विदेश नीति की वह धारा है जिसने दशकों से भारत को वैश्विक मंच पर विश्वसनीय, संतुलित और दूरदर्शी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। यही कारण है कि पुतिन ने खुलकर कहा कि भारत खुशकिस्मत है कि उसके पास मोदी जैसे नेता हैं और उन्होंने यूक्रेन संकट में भारत की शांति कोशिशों की सराहना की। पुतिन का यह औपचारिक आभार न केवल हिंद-रूसी रिश्तों की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि भारत आज उस स्थिति में है जहाँ विश्व की प्रमुख शक्तियां उसकी मध्यस्थता, उसके संवाद और उसके रुख को गंभीरता से सुनती हैं। भारत के राष्ट्रपति भवन में पुतिन को 21 तोपों की सलामी दी गई। यह सम्मान उस गहरे द्विपक्षीय भरोसे और परंपरा का प्रतीक है जिसने दोनों देशों को दशकों से जोड़ा हुआ है। पुतिन ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। यह कदम न केवल भारत की महान सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि वैश्विक संघर्षों के बीच गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी समाधान का मार्ग हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन की इस यात्रा को ऐतिहासिक बताया। यह शब्द केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक संदेश है। ऐसे समय में जब पश्चिमी देशों में रूस के साथ संवाद सीमित हो गया है, भारत का यह रुख उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का प्रमाण है। यह भारत की उस भूमिका को भी रेखांकित करता है जो वह वैश्विक शांति के लिए निभा सकता है। पुतिन का यह दौरा अमेरिकी और पश्चिमी दबावों के बीच हुआ। लेकिन भारत ने जिस सहजता, गरिमा और स्पष्टता के साथ अपनी स्थिति रखी, वह उसके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

> *भारत ने दुनिया को संकेत दिया कि वह किसी खेमे की राजनीति में नहीं बंधने वाला, बल्कि उसकी प्राथमिकता वैश्विक शांति, स्थिरता और संवाद है।*

भारत और रूस के बीच अहम डील

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अहम बैठक के बाद दोनों देशों के बीच कई समझौते हुए हैं।

- भारत सरकार और रूसी संघ की सरकार के बीच एक राज्य के नागरिकों की दूसरे राज्य के क्षेत्र में अस्थायी श्रम गतिविधि पर समझौता।
- भारत और रूस के बीच अनियमित प्रवासन से निपटने में सहयोग पर समझौता।
- भारत के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और रूसी संघ के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता।
- भारत और परिवार कल्याण मंत्रालय के भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में उपभोक्ता अधिकार संरक्षण और मानव कल्याण पर निगरानी हेतु संघीय सेवा (रूसी संघ) के बीच समझौता।
- ध्रुवीय जल में परिचालन करने वाले जहाजों के लिए विशेषज्ञों के प्रशिक्षण पर भारत गणराज्य सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय और रूसी संघ के परिवहन मंत्रालय के बीच समझौता।
- भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय और रूसी संघ के समुद्री बोर्ड के बीच समझौता।
- मेसर्स जेएससी यूरालकेम और मेसर्स राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड तथा नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और इंडियन पोटाश लिमिटेड के बीच समझौता।
- भारत और रूसी संघ के बीच माल और वाहनों के आवागमन के संबंध में आगमन-पूर्व सूचना के आदान-प्रदान में सहयोग के लिए भारत गणराज्य सरकार के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड और संघीय सीमा शुल्क सेवा (रूसी संघ) के बीच प्रोटोकॉल।
- भारत के संचार मंत्रालय के डाक विभाग और जेएससी रूसी पोस्ट के बीच द्विपक्षीय समझौता।
- रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान, पुणे और संघीय राज्य स्वायत्त उच्च शिक्षा शैक्षणिक संस्थान ₹नेशनल टॉम्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी, टॉम्स्क के बीच वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग पर समझौता।
- मुंबई विश्वविद्यालय, लोमोनोसोव मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी और रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष की संयुक्त स्टॉक कंपनी प्रबंधन कंपनी के बीच सहयोग के संबंध में समझौता।
- प्रसार भारती, भारत और संयुक्त स्टॉक कंपनी गजप्रोम-मीडिया होल्डिंग, रूसी संघ के बीच प्रसारण पर सहयोग और सहभागिता के लिए समझौता।

कार्टूनिस्ट की नजर में ...

भारत ने दिया दोस्ती, सार्वभौमिकता और खुदमुख्तारी का सन्देश

कूटनीति

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

रशियन फेडरेशन के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पूरी कर जा चुके हैं। इस यात्रा के दौरान दोनों नेताओं यानी राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमन्त्री मोदी के बीच खूब गर्मजोशी दिखाई पड़ी और पुतिन की अगवानी करने के लिए तो प्रधानमन्त्री मोदी ने निर्धारित प्रोटोकॉल को भी तोड़ दिया, जैसा कि वे इसके पहले भी कई बार अन्य शासनाध्यक्षों की अगवानी के लिए कर चुके हैं। पुतिन की इस यात्रा से क्या निष्कर्ष निकलते हैं, इसका तो अभी आने वाले दिनों में गुणा-भाग किया जाएगा लेकिन फिलहाल यह यात्रा अपने प्राथमिक उद्देश्य में सफल कही जा सकती है। भारत अगर अमेरिका की तनी हुई भौंहों की उपेक्षा करने में सफल रहा तो रूस भी पश्चिमी देशों को ठेंगे पर लेने और भारत में अपना बाजार बढ़ाने के प्रयासों में सफल रहा। प्रधानमन्त्री मोदी ने बहुत स्पष्ट शब्दों में दुनिया को सन्देश दिया कि वैश्विक मंच पर भारत न्यूट्रल नहीं है। भारत हमेशा शान्ति का तरफदार रहा है। थोड़ा गहराई में जाएं तो पाएंगे कि इस तरह की यात्रायें, जितना राजनीतिक दिखायी पड़ती हैं, उससे कहीं ज्यादा कूटनीतिक और व्यापारिक होती हैं। इस यात्रा का भी लब्बोलुआब कूटनीति और व्यापार ही रहा है। यूक्रेन से हो रहे युद्ध में पश्चिमी देशों ने रूस पर तमाम तरह के व्यापारिक प्रतिबन्ध लगाकर उसे अलग-थलग और आर्थिक तौर पर कमजोर करने की कोशिश की है और अमेरिका तो रूस के लिए आग बबूला हुआ बैठा है।

ऐसे में रूस को अपना काम-धंधा चलाने और यूक्रेन से लड़ाई लड़ने की दो गम्भीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे कठिन समय में रूस के दो पुराने मित्र भारत और चीन ने निश्चित तौर पर उसे व्यापारिक सहारा दे रखा है। भारत आने से पहले मार्च 2024 में पुतिन ने चीन का भी राजकीय दौरा किया था। भारत और रूस के कई दशक पुराने द्विपक्षीय सम्बन्ध और समझौते रहे हैं। ध्यान रहे कि कोई भी रूसी राष्ट्रपति आज तक पाकिस्तान नहीं गया है। ऐसा लगता है कि वर्ष 1979 से 1989 के बीच अफगानिस्तान में रूसी दखल के समय पाकिस्तान ने अमेरिकी मदद खाकर रूस का जो विरोध किया था, उसको रूस अभी तक भूल नहीं पाया है। भारत और रूस की इस 23वीं शिखर बैठक में जो अहम समझौते किए गए हैं, उनमें एक-दूसरे से सहयोग के अलावा मेडिकल शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और उसके मानक, पर्यटन, पोलर शिप्स, मैरीटाइम कोऑपरेशन तथा रासायनिक उर्वरक आदि

> **देखना होगा कि वर्ष 2030 तक इस द्विपक्षीय व्यापार को लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की जो योजना बनाई गई है, उसमें भारत का निर्यात कितना बढ़ता है।**

बताये जा रहे हैं। असल में भारत रूसी सामानों और उत्पादों का बहुत बड़ा ग्राहक है। आप अनुमान लगा सकते हैं कि चालू वित्तीय वर्ष में भारत-रूस के बीच लगभग 68.7 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ है। इसमें चिन्ताजनक बात यह है कि रूस ने तो हमको 63.84 अरब डॉलर का सामान बेचा है लेकिन भारत से सिर्फ 05 अरब डॉलर का ही सामान खरीदा है! ऐसे में यह बहुत बड़ा व्यापार असंतुलन का विषय है। देखना होगा कि वर्ष 2030 तक इस द्विपक्षीय व्यापार को लगभग 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने की जो योजना बनाई गई है, उसमें भारत का निर्यात कितना बढ़ता है। भारत कृषि, दवा, उपभोक्ता सामान, कपड़ा तथा औद्योगिक सामाग्री का बड़े पैमाने पर रूस को निर्यात कर सकता है। अभी तो इस आपसी व्यापार में तसल्ली की बात यही कही जा सकती है कि रूस भारतीय मुद्रा में भी कुछ भुगतान स्वीकार करता है।

रूसी रक्षा उत्पादों का भारत बहुत पुराना और बड़ा ग्राहक है। इस बार भी रक्षा सम्बन्धी कुछ सौदे हुए हैं लेकिन यूक्रेन युद्ध के समय से ही रूस पर जो आर्थिक प्रतिबन्ध लगे हैं, उससे उसकी उत्पादन क्षमता और व्यवस्था प्रभावित हुई है और वह निश्चित समय पर अपने व्यापार करार पूरे नहीं कर पा रहा है। भारत को खासकर रूसी रक्षा सौदों के मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है कि आपूर्ति समय से हो सके। श्रमिकों के निर्बाध आवागमन की व्यवस्था बनाए जाने की बात कही गई है। इसमें अत्यन्त सावधान रहने की जररूरत है क्योंकि भारत से गए श्रमिकों को कथित तौर पर रूस में युद्ध के मैदान में लगा दिया गया था और अभी भी कुछ श्रमिक वहां फंसे बताये जा रहे हैं। भारत और रूस ने वर्ष 1971 में मित्रता और आपसी सहयोग को लेकर 20 वर्षों के लिए एक बड़ी शान्ति सन्धि की थी। यह रिश्ता आज तक चला आ रहा है। वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो भारत के लिए अमेरिका के मुकाबले रूस ज्यादा भरोसेमन्द है। अभी सम्पन्न 23वीं शिखर बैठक ने इस भरोसे को और आगे बढ़ाया है। हालांकि पुतिन के भारत आने से ऐन पहले ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस के भारत स्थित राजदूतों ने अंग्रेजी दैनिक में एक संयुक्त लेख लिखकर रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। इसके अलावा कई यूरोपियन देशों ने अपरोक्ष तौर पर भारत से आग्रह किया था कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए पुतिन पर दबाव बनाये। उधर अमेरिकी मीडिया और विश्लेषकों ने इस बैठक को इस भाव में लिया कि पुतिन यह दिखाना चाहते हैं कि पश्चिमी देशों द्वारा उनके देश पर लगाये गए आर्थिक प्रतिबन्धों और उसे अलग-थलग करने की कोशिशों का उन पर कोई असर नहीं पड़ा है। अभी यह देखना दिलचस्प होगा कि 'सैंक्शन्स किंग' ट्रम्प इसको किस निगाह से देख रहे हैं।

कठिन समस्याएं अब न होंगी
क्योंकि सच्ची सहेली में हैं 67 खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in
Clinically Tested
67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स
Helps in:
कठिन दर्द | चिड़चिड़ापन | थकान | कमजोरी | कमर कटना | इम्यूनिटी
सच्ची सहेली

'भारत रणनीतिक आजादी पर कायम, किससे रिश्ता रखना है ये हम तय करेंगे'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साफ कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा का भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा है कि भारत अपनी रणनीतिक आजादी पर कायम है और किसी भी देश को यह तय करने का हक नहीं है, भारत किससे कैसे संबंध रखने वाला है। साथ ही उन्होंने बोला की अमेरिका के साथ ट्रेड समझौते में भारत किसानों, मजदूरों और छोटे कारोबारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए कड़ा मोलभाव कर रहा है।

भारत-रूस नजदीकी से परेशान अमेरिका को जयशंकर की दो टूक

पुतिन की यात्रा का अमेरिका से ट्रेड डील पर नहीं पड़ेगा असर

डील में नहीं होगी मुश्किल

नई दिल्ली में एक चैनल के कार्यक्रम में जयशंकर से पूछा गया कि क्या रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिन की भारत यात्रा से इंडिया यूएस ट्रेड डील मुश्किल में आ सकती है? इस पर उन्होंने दो टूक कहा कि 'मैं इस बात से बिल्कुल असहमत हूं। भारत के सभी बड़े देशों से रिश्ते हैं और कोई भी इस बात की उम्मीद नहीं कर सकता कि वह हमें बताए कि किन देशों से कितने करीबी संबंध रखें।' उन्होंने साफ कहा कि भारत अपनी स्ट्रेटिजी ऑटोनॉमी पर कायम है और आगे भी रहने वाला है। जयशंकर ने आगे कहा कि भारत की विदेश नीति के कई अलग-अलग पहलू है और कोई भी देश यह उम्मीद नहीं कर सकता कि भारत उसके हिसाब से अन्य देशों से संबंध रखे. उन्होंने कहा 'हमारे पास विकल्प की स्वतंत्रता है। यह पहले भी थी और आगे भी रहेगी। किसी को यह सोचने की जरूरत नहीं कि भारत अपनी नीति बदलेगा।'

ट्रंप का सरकार चलाने का तरीका अलग

जयशंकर ने यह माना कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सरकार चलाने का तरीका काफी अलग है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें भरोसा है कि दोनों देशों के बीच एक ठीक-ठाक समझौता हो सकता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा विवादों ने रिश्तों में कुछ बाधाएं पैदा की हैं लेकिन बातचीत अभी भी जारी है।

नहीं होगा कोई समझौता

डील के संबंध में जयशंकर ने बताया कि भारत अपने किसानों, मजदूरों, छोटे कारोबारियों और मिडिल क्लास के हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के साथ कठिन और मजबूत बातचीत कर रहा है और वही समझौता होगा जो भारतीय कामगारों, किसानों और छोटे व्यवसायों के हितों को सुरक्षित रखे।

इस साल हो सकता है डील का पहला चरण पूरा

हाल ही में सेक्रेटरी ऑफ कामर्स राजेश अग्रवाल ने बताया था कि इस साल के भीतर भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड एग्रीमेंट का पहला चरण साइन होने के कयास लगाए जा रहे हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच मौजूदा 191 बिलियन डॉलर के व्यापार को बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक हो सकता है। हालांकि ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय सामानों पर 50% तक टैरिफ बढ़ाने के बाद चुनौती और बढ़ गई है।

इंडिगो संकट से देशभर में यात्री हलाकान

किसी की मां अस्पताल में तो किसी की महीनों की मेहनत हुई बर्बाद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के परिचालन में शनिवार को लगातार पांचवें दिन भी कोई सुधार नहीं दिखा। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और चेन्नई एयरपोर्ट पर यात्री रात भर परेशान रहे। लगातार बिगड़ते हालात ने हजारों यात्रियों की यात्रा योजनाओं को प्रभावित किया है।

अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक यात्री रो पड़ी।एक यात्री महर्षि जानी ने अपना दुख बयां किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे गुवाहाटी जाना था और कोलकाता से कनेक्टिंग फ्लाइट थी। यह फ्लाइट करीब सुबह 6.15 की थी। हमें स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 के लिए चुना गया।

इसमें करीब 74000 आइडिया सब्मिट हुए थे और लगभग 1400 आइडिया सेलेक्ट हुए थे। हमारा सेंटर नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी था। हमें वहां पर जाकर परफॉर्म करना था, लेकिन हमने आने और जाने दोनों की फ्लाइट इंडिगो से ली थी। फ्लाइट लेट होने के कारण हम वहां से नहीं जा पाएंगे।' हमारी 6-7 महीनों की मेहनत अब बर्बाद हो गई है।

एयरपोर्ट में फंसे यात्रियों ने सुनाई आपबीती

कंपनी ने एफडीटीएल नियमों को बताया परेशानी की वजह

वे मेरी फ्लाइट को बार-बार बदल रहे

मुंबई एयरपोर्ट पर फंसे एक यात्री टीके बंशपाल ने कहा, 'मेरी समस्या यह है कि मैं चार दिनों से एयरपोर्ट पर हूं। वे मेरी फ्लाइट को बार-बार बदल रहे हैं। जब मैं अपना सामान छोड़ने हवाई अड्डे आया, तो मुझे पता चला कि उड़ान रद्द हो गई है। कोई मैसेज या ईमेल नहीं आया। उन्होंने इसे अगले दिन के लिए रिशेड्यूल कर दिया। मैं अगले दिन आया और वह भी रद्द हो गया। फिर उन्होंने इसे आज सुबह के लिए रिशेड्यूल किया और वह भी रद्द हो गया। मैं एक न्यूरो पेसेंट हूं। मुझे यहां चक्कर आया और मैं गिर पड़ा।

अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार

ऐसी ही एक मार्मिक कहानी बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से सामने आई है। इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों में लगातार हो रही देरी और कैंसिलेशन की वजह से यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इन्हीं में से एक यात्री नमिता, अपने पिता के अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार जा रही थीं, लेकिन फ्लाइट रद्द हो जाने के कारण वह एयरपोर्ट पर ही फंस गईं। अन्य मामलों में कोई पिता के अंतिम संस्कार के लिए नहीं पहुंच सका, तो कोई दो-दो दिन से एयरपोर्ट पर फंसा रहा। कई यात्री 20 घंटे तक प्लेन के अंदर ही बैठे रहे और उन्हें होटल या रिफंड भी नहीं मिला।

2 दिसंबर से शुरू हुआ संकट

इंडिगो संकट की शुरुआत 2 दिसंबर से हुई, जो 6 दिसंबर तक जारी है। एयरलाइन ने नए एफडीटीएल नियमों के कारण पायलट और क्रू की कमी को इसकी बड़ी वजह बताया है। 3 से 5 दिसंबर के बीच 1,200 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द हुईं, जिनमें अकेले 5 दिसंबर को 750 से अधिक कैंसलेशन दर्ज किए गए। दिल्ली एयरपोर्ट पर एक ही दिन में इंडिगो की सभी 235 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे बड़े हब भी बुरी तरह प्रभावित रहे।

जुबीन केस : 12 दिसंबर को चार्जशीट

गुवाहटी। असम पुलिस सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में 12 दिसंबर को चार्जशीट दाखिल करेगी। केस की जांच कर रहे CID के स्पेशल डीजी मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने शनिवार को बताया कि इस केस की जांच पूरी हो चुकी है। केस में अब तक तक सात गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। 300 से ज्यादा गवाहों से पूछताछ की गई है। जुबिन की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान समुद्र में डूबने से हुई थी। गुप्ता ने कहा कि अब मामले में अधिक जानकारी चार्जशीट दाखिल होने के बाद ही दी जाएगी। जुबीन का जन्म 18 नवंबर 1972 को असम के तिनसुकिया जिले में हुआ था। वे असमिया और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में गायक, संगीतकार, गीतकार, एक्टर और डायरेक्टर रहे। उन्होंने असमिया, हिंदी, बांग्ला और अंग्रेजी भाषा में गाने गाए हैं।

'लाइफ सपोर्ट पर है इंडिया महागठबंधन'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक इस समय 'लाइफ सपोर्ट' पर है और अंदरूनी कलह तथा बीजेपी की लगातार काम करने वाली इलेक्शन मशीनरी का मुकाबला न कर पाने की वजह से उसे कभी भी 'आईसीयू' में जाना पड़ सकता है।

दिल्ली में एक कार्यक्रम में बोलते हुए अब्दुल्ला ने विपक्षी गठबंधन की 'संगठनात्मक और रणनीतिक कमजोरियों' पर विस्तार से बात की और इसकी तुलना बीजेपी की 'बेजोड़' कार्यशैली से की। उन्होंने कहा, 'हम लोग अभी जैसे लाइफ सपोर्ट पर हैं। बीच-बीच में कोई आकर शॉक देता है, तो हम संभल जाते हैं। लेकिन फिर बिहार जैसे नतीजे आते हैं, तो हम फिर बैठ जाते हैं।

कश्मीर सीएम अब्दुल्ला ने गिनाई विपक्ष की खामियां

'हम ऐसे चुनाव लड़ते हैं जैसे हमें कोई फर्क ही नहीं पड़ता'

चुनाव लड़ने में जमीन आसमान का अंतर

चुनाव लड़ने के तौर-तरीकों की तुलना करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि विपक्ष की संरचना और सोच बीजेपी की अनुशासित चुनावी शैली के सामने टिक नहीं पाती। उन्होंने कहा, वे हर चुनाव ऐसे लड़ते हैं मानो इससे उनका जीवन जुड़ा हो, हम कभी-कभी ऐसे लड़ते हैं, ज्यादातर चुनाव में हमारा रवैया ऐसा रहता है जैसे हमें कोई फर्क ही नहीं पड़ता। भाजपा का 24x7 पॉलिटिक्स मॉडल है। वे 'एक चुनाव खत्म होते ही वे अगले राज्य में पहुंच जाते हैं। हम तो चुनाव से दो महीने पहले पहुंचते हैं।

मुख्य जिम्मेदारी कांग्रेस को ही उठानी होगी

भविष्य की रणनीति पर उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष को बीजेपी को चुनौती देनी है, तो उसे अपने सबसे बड़े दल-कांग्रेस- के इर्द-गिर्द एकजुट होना होगा, क्योंकि बीजेपी के अलावा पूरे देश में मौजूदगी सिर्फ कांग्रेस की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टियां अपनी भौगोलिक सीमाओं में बंधी होती हैं, इसलिए 'मुख्य जिम्मेदारी कांग्रेस को ही उठानी होगी।'

'हमने ही नीतीश कुमार को एनडीए में धकेल दिया'

अब्दुल्ला ने एनडीए में नीतीश कुमार की वापसी की जिम्मेदारी भी इंडिया ब्लॉक पर डाली। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने ही नीतीश कुमार को फिर से एनडीए की ओर धकेल दिया।' उन्होंने बिहार में सीट बंटवारे के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को जानबूझकर बाहर रखने के फैसले को भी बड़ी गलती बताया, जबकि पार्टी की राज्य में उपस्थिति है।

बार में गोलीबारी, 3 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत

प्रिटोरिया। दक्षिण अफ्रीका से एक बार फिर डराने वाली खबर आई है। राजधानी प्रिटोरिया में तड़के एक हॉस्टल के अंदर मौजूद अवैध शराबखाने में हमला हुआ और 11 लोगों की जान चली गई।

खौफनाक हमले से हिला दक्षिण अफ्रीका!

इस वारदात ने देश की पहले से बढ़ी हुई चिंता को और गहरा कर दिया है। वहां अपराध का हाल वैसे ही खराब है, ऊपर से इस तरह की बड़े पैमाने की गोलीबारी लोगों में डर बढ़ा देती है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार (6 दिसंबर 2025) सुबह करीब 4:30 बजे तीन हथियारबंद हमलावर हॉस्टल के अंदर चल रहे एक अवैध शराबखाने में घुसे और वहां बैठे लोगों पर अचानक गोलियां चलाना शुरू कर दीं. कुल 25 लोग गोली से घायल हुए, जिनमें से 10 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक घायल की मौत अस्पताल में हुई। मरने वालों में 3 साल का बच्चा, 12 साल का लड़का और 16 साल की लड़की भी शामिल हैं।

सड़क हादसे में रोज 485 लोगों की मौत

नई दिल्ली। सड़क परिवहन मंत्रालय ने लोकसभा में बताया कि वर्ष 2024 में देश में सड़क हादसों में 1.77 लाख लोगों की मौत हुई। यह औसतन हर दिन 485 मौतें हैं। यह आंकड़ा 2023 की तुलना में 2.3 फीसद ज्यादा है, जब 1.73 लाख लोगों की जान गई थी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में बताया कि फरवरी 2020 में सड़क सुरक्षा पर तीसरे वैश्विक मंत्री स्तरीय सम्मेलन में अपनाए गए 'सड़क सुरक्षा पर स्टाकहोम घोषणापत्र' में 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और चोटों को 50 फीसद तक कम करने का एक नया वैश्विक लक्ष्य रखा गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-155-25-26, दि. 02-12-2025 कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेटलमेंट/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर में 40 बिस्तरों वाले आरपीएफ बैरक का निर्माण। निविदा मूल्य: 2,38,06,042.86/-, अमानत राशि: ₹ 22,69,000.00/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।

क्र.सं. (2) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-156-25-26, दि. 02-12-2025 कार्य : वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेटलमेंट/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कर्मचारियों के लिये पुराने/जीर्ण शीर्ण क्वार्टरों के प्रतिस्थापन सील पर 05-इकाई टाईप-II, 04-इकाई टाईप-III, 08-इकाई टाईप-IV, क्वार्टरों का निर्माण। निविदा मूल्य: 4,97,26,682.59/-, अमानत राशि: ₹ 3,98,600.00/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह। निविदा जमा की आरंभ तिथि : दिनांक 15-12-2025 के 11.00 बजे से, निविदा जमा की अंतिम तिथि: 29-12-2025 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www. ireps. gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/FL/515 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सिगनलिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सं.:754-एसटी-कॉन-आर- डीपीएच-एचएन-पीकेजीआई, दिनांक: 04.12.2025.
कार्य : सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य" (ए) स्टेशन यार्ड में एमएसडीएसी के समानांतर डीसी ट्रैक सर्किट का प्रावधान (बी) (i) एनआई कार्यों के लिए नए भवनों में मौजूदा 3 लाइनों के लिए एमएसडीएसी की आपूर्ति/स्थानांतरण, स्थापना और कमीशनिंग के लिए विविध सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य। (ii) अर्थिंग और बॉन्डिंग व्यवस्था, डिजिटल एक्सल काउंटर के लिए टीएएन, ऑटो हट्स में फायर-अलार्म और डिटेक्शन सिस्टम, और रायपुर डिवीजन के दाधापारा से हथबंद तक चौथी लाइन के कमीशनिंग के संबंध में अन्य कार्य। निविदा मूल्य: ₹ 24,76,59,043.00 (₹ चौबीस करोड़ छिहत्तर लाख उनसठ हजार तैंतालीस मात्र)। अमानत राशि: ₹ 13,88,300.00 (₹ तेरह लाख अठासी हजार तीन सौ मात्र)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय: 26.12.2025 को 15:00 बजे तक।
विस्तृत जानकारी/ई-निविदा दस्तावेज, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु, मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता/निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www.ireps. gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।
उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता/
सीपीआर/10/522 निर्माण/रायपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
स्पेयर फाउंडेशन का प्रावधान हेतु ई-निविदा सूचना

क्रम सं. (1) : ई-निविदा संख्या : DRM-ENGG-BSP-T-158-25-26 दिनांक: 04/12/2025.
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता/पूर्व/बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न पुलों पर अतिरिक्त ओएचई ब्रिज मास्ट का स्पेयर फाउंडेशन का प्रावधान।
निविदा मूल्य : ₹ 1,41,41,127/-। अमानत राशि : ₹ 2,20,700/- । कार्य पूर्णता की अवधि : 12 माह।
निविदा जमा करने की आरंभ तिथि :- दिनांक 15/12/2025 से। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि :- दिनांक 29/12/2025 के 11:00 बजे तक।
उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।
मंडल रेलवे प्रबंधक (अभियंता)
सीपीआर/10/521 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION, BILASPUR
2ND FLOOR, VIKAS BHAWAN, NEHRU CHOWK
Phone No. 07752-222642, Fax 07752-413888
Website : www.bilaspurnagarnigam.com, Email : commissionerbilaspur@gmail.com

E-PROCUREMENT TENDER NOTICE

NIT No. 07/BMC/HEALTH/2025-26 Bilaspur, Dated 05/12/2025

Online Tenders in Form 'C' are invited from interested MSME/ISO 9001:2008 Registered Firms registered on website https://eproc.cgstate.gov.in on behalf of the Bilaspur Municipal Corporation for following works under Supply Rate Tender.

System Tender No.	Name of Work	PAC (Rs. in Lakhs)	Bid Due Date
181134	Supply of 200 Nos. Wheel Barrow for Sanitation Work	14.00	29/12/2025

Other details related to the tender can be obtained from Health Department, Vikas Bhawan and Interested bidders may view and download details online directly by visiting website www.bilaspurnagarnigam.com & from the Govt. of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 08/12/2025 after 17:31 Hours IST.

Health Officer,
Municipal Corporation, Bilaspur (C.G.)
Green City, Clean City, Dream City.

SWITCHSOL SYSTEMS & SERVICES (OPC) PVT. LTD.
SWITCHSOL
प्रधानमंत्री-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना
अपने वेंडर के रूप में SWITCHSOL को चुनें और देश के भरोसेमंद ICON SOLAR पैनल्स के साथ साझेदारी बनाएँ।

क्षमता	कुल मुल्य	सब्सिडी	मुल्य
2 KW	₹1,20,000	₹90,000	₹30,000
3 KW	₹1,65,000	₹1,08,000	₹57,000
4 KW	₹2,20,000	₹1,08,000	₹1,12,000
5 KW	₹2,75,000	₹1,08,000	₹1,67,000
6 KW	₹3,35,000	₹1,08,000	₹2,27,000
7 KW	₹3,75,000	₹1,08,000	₹2,67,000
8 KW	₹4,15,000	₹1,08,000	₹3,07,000
10 KW	₹4,60,000	₹1,08,000	₹3,52,900
10 KW	₹3,40,000	NDCR	₹3,40,000

90% बैंक लोन सुविधा के साथ आसान किस्त
सरकारी सब्सिडी पर 100% गारंटी
स्विचसोल को क्यों चुने ?
सोलर इंडस्ट्री में 35+ वर्षों का अनुभवी
IIT-Kharagpur के इंजीनियर द्वारा प्रमाणित डिज़ाइन
CREDA, CSPDCL, NABARD तथा केंद्रीय संगठनो के साथ कार्य का अनुभव
6000+ घरो में सोलर सिस्टम लगाने का अनुभव
Registered vendor of CREDA & CSPDCL
SWITCHSOL SYSTEMS AND SERVICES (OPC) PVT LTD
Om Vihar, Behind Sona Vatika, Airport Road, Fundahar Chowk, Pin :- 492006, Raipur, Chhattisgarh
CONTACT +91 7489766136, 9302502992 Info@switchsol.co.in
T&C apply.

आज की हाईटेक दुनिया में मानवाधिकार, सिर्फ संविधान तक सीमित नहीं है। आपकी ऑनलाइन आदतों, व्यवहार और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता में भी यह प्रकट होता है। यहां बताई जा रही आदतों को अपनाने वाला कोई भी व्यक्ति न सिर्फ डिजिटल वर्ल्ड में खुद को सुरक्षित रख सकता है बल्कि दूसरों के मानवाधिकारों की रक्षा करने में योगदान भी कर सकता है।

डिजिटल वर्ल्ड में भी जरूरी है
मानवाधिकारों के प्रति सजगता

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-स्पीड इंटरनेट और 24X7 स्क्रीन-लाइफ के इस दौर में मानवाधिकारों की परिभाषा वह नहीं रही, जो बीसवीं सदी के मध्य या उत्तरार्द्ध में हुआ करती थी। जीवन जीने की नई चुनौतियों के बीच, जीवन के अधिकारों की जमीन भी बदल रही है। साथ ही सार्वभौम मानवाधिकारों की परिभाषा भी बहुत तेजी से बदल रही है। आज मानवाधिकारों के दायरे में सिर्फ आपकी सदेह उपस्थिति ही नहीं रही, बल्कि डिजिटल उपस्थिति, ऑनलाइन व्यवहार और टेक्नोलॉजी के प्रयोग भी आ गए हैं। आज की युवा पीढ़ी इंटरनेट, डिजिटल जीवनशैली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल के बीच बड़ी हुई पीढ़ी है। इसलिए उसके अधिकारों और जिम्मेदारियों का दायरा भी इन सभी आयामों से जुड़ता है। डिजिटल दुनिया की संवेदना का सम्मान किए बिना आज मानवाधिकारों की चर्चा पूरी नहीं हो सकती, क्योंकि आज इंसान के जीवन का एक बड़ा हिस्सा डिजिटलाइज हो चुका है। इसलिए इस जीवन की हिफाजत, उसका सम्मान और उसकी संवेदनशीलता का ख्याल रखना भी आज का मानवाधिकार है।

महत्वपूर्ण है डिजिटल प्राइवेसी: डिजिटल स्पेस में प्राइवेसी का अर्थ सिर्फ 'सीक्रेट' रखना नहीं है बल्कि अपनी पहचान, आदतों और भावनाओं को सुरक्षित रखना भी है। हर मोबाइल एप आज आपके व्यवहार पर गहरी नजर रखता है और आपकी एक डिजिटल कुंडली बनाता है। उसे आपकी लोकेशन से लेकर आपकी हार्टबीट तक पता होती है। ऐसे में एक जागरूक युवा वही है, जो हर अनुमति को ध्यान से पढ़ता है, अपनी डिजिटल दुनिया के दरवाजों का मजबूत पासवर्ड रखता है, टू-फैक्टर सुरक्षा अपनाता है और अपनी निजी जानकारियां केवल जरूरी और सुरक्षित मंचों पर ही साझा करता है। लब्बोलुआब यह कि जो युवा अपनी प्राइवेसी की कीमत समझता है, वही दूसरों की प्राइवेसी का अर्थ भी जानता है। इसलिए मानवाधिकारों के प्रति सजग बनना है तो डिजिटल प्राइवेसी का सम्मान करना और इसे खुद भी सीखना जरूरी है।

साइबर बुलिंग का विरोध: स्मार्टफोन के दो क्लिक किसी की मानसिक शांति छीन सकते हैं। बॉडी-शेमिंग, ट्रोलिंग, मीम के नाम पर अपमान- ये सब मनोरंजन नहीं है बल्कि डिजिटल हिंसा है। एक संवेदनशील और मानवाधिकारों के लिए सजग युवा वही है, जो ऐसी हरकतों पर चुप नहीं रहता। 'रिपोर्ट' करता है, 'ब्लॉक' करता है और पीड़ित को 'सपोर्ट' करता है। ये तीन शब्द आज की सामाजिक जिम्मेदारी हैं। किसी की मानसिक भलाई भी एक मानवाधिकार है और इस भलाई को करना हर युवा के डिजिटल नागरिक होने का कर्तव्य भी है। इसलिए मानवाधिकारों का चैंपियन बनने के लिए इन सब हरकतों को लेकर चुप नहीं रहना चाहिए।

ऑनलाइन वित्तीय सुरक्षा का अधिकार

यूपीआई, वॉलेट पेमेंट और ऑनलाइन शॉपिंग ने सुविधा बढ़ाई है, लेकिन जोखिम भी बढ़ाया है। डिजिटल धोखाधड़ी सिर्फ पैसों का नुकसान नहीं बल्कि मानसिक और सामाजिक क्षति भी है। इस मामले में आप अपने मानवाधिकारों को तभी तक सुरक्षित रख सकते हैं, जब तक अजनबियों को ओटीपी, पिन, पासवर्ड नहीं बताते, संदिग्ध लिंक नहीं खोलते, क्यूआर कोड बिना सोचे नहीं स्कैन करते। वित्तीय सुरक्षा, आधुनिक मानवाधिकारों में सीधे इस सोच से जुड़ी है कि आर्थिक स्वाभिमान भी एक अधिकार है।

कुछ भी शेयर करने से पहले: किसी की फोटो, चैट, स्क्रीनशॉट या किसी की वीडियो को फटाफट पब्लिक फ्रंट पर साझा करने से पहले न केवल कई बार सोचें बल्कि जिनसे सीधे उसका रिश्ता है, अनिवार्य रूप से उसकी सहमति भी लें। अगर सहमति मिलती है, तभी सार्वजनिक दुनिया में प्राइवेसी के इन खास पलों को साझा करें। अगर ऐसा नहीं करते तो इससे साबित होगा कि आप डिजिटल दुनिया में न तो सामान्य शिष्टाचार का पालन करते हैं और न ही लोगों के प्रति संवेदनशील हैं। क्योंकि जो खिलवाड़ आप हंसी खेल में कर देंगे, वो किसी के लिए अभिशाप भी बन सकता है। आज की युवा पीढ़ी के लिए 'कंसेंट कल्चर' सिर्फ भौतिक रिश्तों में ही नहीं बल्कि डिजिटल स्पेस में भी जरूरी है। दूसरों की अनुमति का सम्मान करना डिजिटल नैतिकता का आधार है।

फेक न्यूज-हेट स्पीच से दूरी: डिजिटल वर्ल्ड में मानवाधिकारों के प्रति अगर आप सजग हैं तो न सिर्फ फेक न्यूज और हेट स्पीच से दूर रहना जरूरी है बल्कि उन्हें हर संभव तरीके से रोकना भी जरूरी है। एक जागरूक डिजिटल यूजर को इसे भी अपनी 'नेट नागरिकता' की जिम्मेदारी और मानवाधिकार मानना चाहिए, क्योंकि भ्रामक खबरें अब खतरनाक हथियार बन चुकी हैं। एक एडिटेड वीडियो, एक गलत जानकारी पूरे समुदाय को तनाव में ला सकता है, अराजकता फैला सकता है। अतः जिम्मेदार और डिजिटल युग में मानवाधिकार के प्रति सजग वही है, जो किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचे। याद रखिए हेट स्पीच 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' नहीं है बल्कि यह स्वतंत्रता के नाम पर दूसरे के अधिकारों पर आक्रमण है। इसे रोकना डिजिटल समाज को सुरक्षित बनाए रखने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है।

डेटा उपयोग को जानने का अधिकार: आज आपके सोशल मीडिया फीड में क्या दिखेगा, यह आपकी पसंद से ज्यादा एल्गोरिद्म तय करता है। एआई आपकी आदतों का विश्लेषण करता है और आपके निर्णयों को प्रभावित करता है। हर डिजिटल सजग युवा को यह जानने का अधिकार है कि उसका डेटा कैसे उपयोग हो रहा है? इसके प्रति सजग और संवदनेशील बने रहना जरूरी है।

मानसिक स्वास्थ्य का मानवाधिकार: डूम-स्क्रॉलिंग, लाइक्स पर निर्भरता, दूसरों की तुलना में आत्म-मूल्य घटाना, ये नई डिजिटल बीमारियां हैं। मानसिक स्वास्थ्य भी मानवाधिकार है और उसकी रक्षा आपको स्वयं करनी होती है। स्क्रीन टाइम सीमित करना, डिजिटल डिटॉक्स, सकारात्मक सामग्री चुनना और जरूरत पड़ने पर सहायता मांगना, आपको मजबूत और संतुलित बनाता है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही अपने अधिकारों के लिए सजग रह सकता है।

डिजिटल फुट प्रिंट की समझ: इस बात को याद रखिए कि इंटरनेट कुछ भूलता नहीं। सोशल मीडिया पर डाला गया हर शब्द, हमेशा के लिए दर्ज हो जाता है। अपने या अपने दोस्त के प्रति एक लापरवाही, करियर, रिश्तों या छवि पर भारी पड़ सकती है। इसलिए हर पोस्ट से पहले सोचना जरूरी है कि क्या ये भविष्य में मुझे या मेरे जैसे किसी और को चोट तो नहीं पहुंचाएगी? डिजिटल फुट प्रिंट का ध्यान रखना एक समझदार, संवेदनशील और भविष्य-दृष्टि वाला डिजिटल सिटिजन बनने का सबसे आसान तरीका है।

स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार: सभ्य संवाद ही आधुनिक अधिकार संस्कृति है। ऑनलाइन बोलने का साहस अच्छा है, लेकिन उसमें संवेदनशीलता, तर्क और शिष्टता भी होनी चाहिए। मतभेद स्वाभाविक हैं पर अपमानजनक भाषा मानवाधिकार मूल्यों को तोड़ती है। एक परिपक्व व्यक्ति वही है, जो अपनी राय साफ रखता है, लेकिन किसी की गरिमा को चोट नहीं पहुंचाता। *

स्वास्थ्य मात्र सुविधा ही नहीं
हम सभी का है अधिकार

कोई भी देश-समाज तब तक प्रगति नहीं कर सकता, खुश नहीं रह सकता, जब तक वहां के लोग स्वस्थ नहीं रहते। इसीलिए लोगों और सरकारों को इस दिशा में अवेयर करने के लिए ही 12 दिसंबर को यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे मनाया जाता है। इस बारे में सभी को पता होना चाहिए।

अवेयरनेस
डॉ. माजिद अलीम

हर साल 12 दिसंबर को दुनिया भर में मनाया जाने वाला यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे, हमें यह याद दिलाता है कि स्वस्थ जीवन का हक, किसी खास वर्ग या आर्थिक स्थिति से नहीं जुड़ा। अस्पताल, दवा, इलाज, टेस्ट, मानसिक स्वास्थ्य- ये सब उपलब्धता का मुद्दा नहीं बल्कि धरती के हर नागरिक का अधिकार हैं।

यह दिन मनाने का मकसद: इस दिन का वास्तव में असली मकसद यही है कि आम लोग अपने नागरिक अधिकार समझें, क्योंकि बीमार होना कभी किसी की गलती नहीं होती, पर इलाज न मिलना व्यवस्था की गलती होती है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे, दुनियाभर की सरकारों, नीति-निर्माताओं और नागरिकों को यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य पर किया गया निवेश सिर्फ लोगों को मजबूत नहीं बनाता बल्कि पूरे समाज और अर्थव्यवस्था को सुरक्षित और समृद्ध करता है। जब हर व्यक्ति बिना आर्थिक मदद के डॉक्टर तक पहुंच सके, तभी सही अर्थों में, 'हेल्थ फॉर ऑल' जैसा नारा सच होगा।

ऐसे हुई इस दिन की शुरुआत: जहां तक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे की शुरुआत और इसके मनाए जाने की वजह का सवाल है तो संयुक्त राष्ट्र से आधिकारिक मान्यता इस विशेष दिन के लिए 2017 में मिली। जब दिसंबर 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पास करके 12 दिसंबर को आधिकारिक रूप से यूएचसी डे (यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज-डे) घोषित किया। यह पहल वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों, नागरिक समाज और विभिन्न देशों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम थी। हालांकि ये 2017 में संभव हुआ, लेकिन इसकी जड़ें 2012 से जुड़ी हैं, जब इसी 12 दिसंबर को यूएन ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज पर पहली बार ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया था। इस दिन को ही बाद में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस के रूप में चुना गया।

कई तरह के होते हैं आयोजन: जहां तक देश और दुनिया में इस विशेष दिन को मनाए जाने के तरीके का सवाल है तो दुनिया के अलग-अलग देश और संस्थाएं इस दिन को कई तरीकों से सेलिब्रेट करती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालयों और विभिन्न एनजीओं द्वारा सोशल मीडिया कैंपेन, 'हेल्थ फॉर ऑल', 'यूएचसी डे' जैसे हैश टैग के साथ मनाया जाता है। इस दिन अनेक डिजिटल पोस्टर, वीडियो और जनसंदेश स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से जारी किए जाते हैं। कई जगहों पर स्वास्थ्य शिविर और मुफ्त जांच कार्यक्रम चलते हैं। रक्तदान शिविर, टीकाकरण जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग कैंपेन और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच अभियान चलाए जाते हैं।

स्कूल कॉलेज में इस दिन छात्रों के लिए कई तरह की वर्कशॉप लगती हैं। हेल्थ अवेयरनेस रैली निकलती है। निबंध, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिताएं होती हैं तथा मीडिया कवरेज भी इस अवसर को खास तव्वजो देती है। विभिन्न टीवी चैनल और पत्रिकाएं इस दिन के लिए विशेष कार्यक्रम बनाते हैं।

कोविड काल से बढ़ी महत्ता: साल 2019-20 में कोविड महामारी के दौरान इस खास दिन के लिए दुनिया भर में सजगता बढ़ी है, क्योंकि कोविड ने दिखा दिया कि असमान स्वास्थ्य ढांचा सिर्फ उस देश के लिए ही जोखिम भरा नहीं है, जहां ये होता है बल्कि पूरी दुनिया को खतरे में डाल सकता है। इसलिए इस दिन देशों को यह याद दिलाया जाता है कि स्वास्थ्य में निवेश करना, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला है। दुनिया में हर साल करीब 10 करोड़ लोग स्वास्थ्य खर्च के चलते गरीबी रेखा से घिर जाते हैं, जबकि सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस की यह धारणा ही है कि स्वास्थ्य लोगों की जेब पर भारी पड़ने वाली चीज नहीं है बल्कि सरकारों की अपनी जनता के लिए बुनियादी जिम्मेदारी है।

सामाजिक जिम्मेदारी है अच्छी हेल्थ: आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता स्क्रीन टाइम, तनाव और फास्ट फूड की ललक के चलते दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं का मानव विस्फोट हो गया है। ऐसे में स्वास्थ्य को लेकर हर तरफ खतरा और डर महसूस होता है, जिसके कारण अरबों, खरबों डॉलर के हर साल व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा लोगों द्वारा लिए जाते हैं। उस सबके बीच यूएचसी डे का कुछ अलग ही महत्व निकलकर आता है कि स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्या नहीं है, यह सामाजिक जिम्मेदारी है। *

नवगीत
घमंडीलाल अग्रवाल

सुख हो गया लघुकथा जैसा

सुख हो गया लघुकथा जैसा
उपन्यास-सा दुख!
पसर गईं हैं मन में आकर
ऐसे इच्छाएं,
वर्षा के मौसम में नभ पर
जैसे घन छाएं।
पढ़े न कोई उर की पोथी
देखें सब आमुख।
भौतिकता की चकाचौंध ने
हमको भरमाया,
आमदनी आठ आने, खर्चा
है रुपया पाया।
उलझन ने खोले सुरसा-से
बड़े-बड़े अब मुख।
माया के चक्कर में काया
हुई सूख कांटा,
परेशानियां सांझ-सकारे
मार रहीं चांटा।
फिर भी खाई में गिरने का
अपनाया है रुख।
हवा भरे गुब्बारों जैसे
लोग नजर आते,
घड़ी दो घड़ी साथ निभाकर
पिचक बाद जाते।
बांह न कोई गहे उम्र भर
कब बैठे सम्मुख।

लघुकथाएं

दीवारें भी कुछ कहती हैं

बाबूजी ने अपने पुराने घर का रेनोवेशन करवाया था। पूरा घर चमकने लगा था। दरवाजों पर सुंदर कलर के पेंट, दीवारों पर नई डिजाइन की कलाकारी, नया पेंट, पुट्टी सब कुछ बहुत सुंदर दिख रहा था। यह सब देखकर ससुराल से आई बेटी रानू बहुत खुश हो रही थी। वो घर के अंदर गई तो देखकर दंग रह गई। मुख्य द्वार पर पीले, लाल हाथों के निशान ज्यों के त्यों थे। बैठक में दीवारों पर रंग-बिरंगी आड़ी-तिरछी रेखाएं मुंह चिढ़ा रही थीं। और तो और जीने की दीवारों पर तेल भरे हाथों के धब्बे दिखाई दे रहे थे। इन सभी जगहों को छोड़कर बाकी दीवारों पर लिपाई-पुताई कर दी गई थी। यह सब देखकर हैरान-सी रानू ने अपने पिता से पूछा, 'बाबूजी, यह सब क्या है? आपने इन दीवारों पर इन गंदे दाग-धब्बों पर पेंट क्यों नहीं करवाया? ऐसे इन्हें क्यों छोड़ दिया? देखो ये कितने बदरंग दिख रहे हैं।'

बाबूजी मुस्कुराते हुए बोले, 'बेटा, यह बदरंग धब्बे-दाग नहीं, यह रिश्तों के प्रेम के खुशरंग निशानी हैं। ये देखो, यह लाल, पीले हाथों के छाप। यह तेरी बुआ के हाथों के छाप हैं, जब वह ससुराल गई थी। ये लाल निशान तेरे हाथों के हैं, जब तू ससुराल गई थी। ये आड़ी-तिरछी रेखाएं तुम सब नन्हे-मुन्ने बच्चों की हैं, जब तुम शरारत करते थे। यह जीने पर तेल के दाग तुम्हारे पूज्य दादा जी के हैं, जब-तब वे जीने पर इन दीवारों के सहारा लेकर चढ़ते थे। आज वे नहीं रहे, पर ये निशानियां हैं, जो मुझे हमारे पुराने दिनों की याद दिलाते हैं। ये दीवारें भी कुछ कहती हैं हमसे, तुम भी सुनो।' बाबूजी की बात सुनकर रानू पुरानी यादों में खो गई। *

– शैल चंद्रा

सीमा

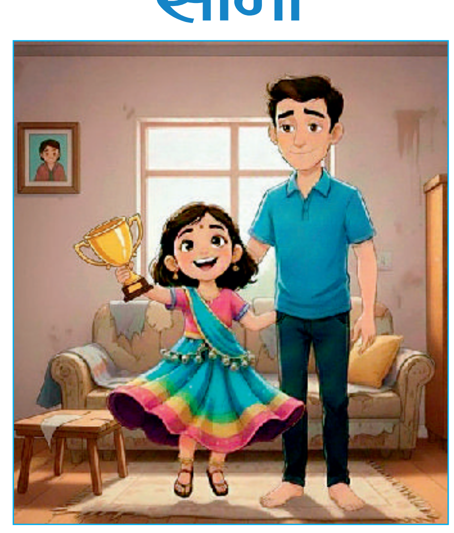

आज डमरू अपनी बिटिया विनी को बाजार में ड्रेस दिलाने लाया था। एक फ्रॉक की दुकान पर दोनों रुक गए।

'पापा..पापा.. ये फ्रॉक ले लो ना.. ये वाली..।' विनी ने मचलते हुए एक फ्रॉक की तरफ इशारा किया। डमरू का दिल धक-धक करने लगा। स्लेटी रंग की वह फ्रॉक सिल्क की थी। उसने सोचा काफी महंगी होगी। डमरू को समझ नहीं आ रहा था, छह साल की बेटी को कैसे बहलाए।

गर्दन घुमाते हुए डमरू को एक रंगीन लेकिन सस्ती सी फ्रॉक दिखाई दी। वह बोला, 'आहा! यह देखो विनी, इसमें झालर है, घुंघरू भी लगे हैं, इसे ले लो बेटा।'

रंग की चकाचौंध में विनी बहल गई। उसने वही फ्रॉक ले ली। सूती कपड़े की रंगीन फ्रॉक पहनकर अगले दिन विनी स्कूल गई। वहां स्कूल फंक्शन में विनी ने कविता प्रतियोगिता में प्यारी सी एक कविता सुनाई। उसे प्रथम पुरस्कार मिला। विनी की खुशी दोगुनी हो गई।

घर आकर चहकते हुए उसने बताया, 'पापा, इसी प्यारी फ्रॉक की वजह से मिल गया पहला ईनाम।' विनी खुशी से अपनी ट्रॉफी चूम रही थी। डमरू को पिछले साल का वह वाकया याद आया, जब एक मिठाई की दुकान पर काजू कतली को देखकर विनी मचल गई थी, उसे यह मिठाई खानी है। डमरू ने दूसरी तरफ उसे बहलाते हुए रंगीन पेठा दिखाया। मासूम विनी वही रंगीन रसीला पेठा खाकर खुश हो गई थी। कल भी डमरू ने वही किया। विनी तो छोटी बच्ची है, अबोध। लेकिन डमरू मजबूर है, उसे अपनी सीमा का आभास है, वह अपनी चादर से बाहर पैर नहीं फैला सकता। *

-पूनम पांडे

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की बस्ती

हाल में वरिष्ठ कथाकार अब्दुल बिस्मिल्लाह द्वारा लिखे गए संस्मरणों की किताब 'स्मृतियों की बस्ती' छपकर आई है। इसमें कुल सोलह संस्मरण संकलित हैं। इनमें त्रिलोचन और अमरकांत पर दो-दो संस्मरण हैं और एक संस्मरण इलाहाबाद में लेखक के द्वारा बिताए गए दिनों पर आधारित है।

'चिड़ियों के घर का वासी' संस्मरण हजारी प्रसाद द्विवेदी पर लिखा गया है। इसमें लेखक ऐसी छोटी-छोटी कई बातें बताते हैं, जिनसे द्विवेदी जी के व्यक्तित्व की सहजता और सरलता में निहित विराटता प्रकट होती है। 'बरगद जैसे छायादार थे अमृतलाल नागर' संस्मरण में लेखक ने नागर जी से मिली आत्मीयता का मार्मिकता से वर्णन किया है। अमरकांत पर इस पुस्तक में दो संस्मरण संकलित हैं- 'अशोक वृक्ष की छाया में' और 'अमरकांतः प्रफुल्लता की प्रतिमूर्ति।' त्रिलोचन पर भी पुस्तक में दो संस्मरण 'नाम सार्थक लगे त्रिलोचन' और 'एक विरोधाभास त्रिलोचन' संकलित हैं। काशीनाथ सिंह, हरिशंकर परसाई और बाबा नागार्जुन से जुड़े संस्मरणों में उनके कई अनछुए पहलू उजागर हुए हैं। पुस्तक के अंतिम संस्मरण 'इलाहाबाद के वे दिन' में अब्दुल बिस्मिल्लाह लिखते हैं, 'इलाहाबाद के साहित्यिक-सांस्कृतिक वातावरण, वहां की गतिविधियों, रचनाकारों के जमावड़ों, भांति-भांति के व्यक्तियों और समग्रता में उस शहर के जीवन प्रवाह ने न केवल मेरी जीवनी शक्ति को दृढ़ता प्रदान की, बल्कि मेरी रचनाशीलता को भी धार दी।' बिस्मिल्लाह जी ने जिन हस्तियों पर संस्मरण लिखे हैं, उनके साथ उनके शहर का जीवन स्पंदन और जीवनशैली का सोंधापन भी महसूस कराते चलते हैं। *

पुस्तकः स्मृतियों की बस्ती, **लेखकः** अब्दुल बिस्मिल्लाह, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

तरकश

संजय के दीक्षित

रोलर युग में कड़ी और चांदा

आंध्रप्रदेश जैसे कई राज्यों में जमीनों के सीमांकन के लिए रोलर सिस्टम चालू हो गया है। मगर छत्तीसगढ़ में जमीनों के नापजोख के लिए सिस्टम अभी भी वही कड़ी और चांदा के भरोसे है। वैसे बार-बार जमीनों के सीमांकन की जरूरत पड़नी भी नहीं चाहिए। मगर दिक्कत यह है कि कोई सुधार के लफड़े में पड़ना नहीं चाहता। ब्यूरोक्रेसी लकीर की फकीर बनी रहना चाहती है। हालांकि, ब्यूरोक्रेसी के कई यंग अफसर मानते हैं कि बार-बार सीमांकन की कोई जरूरत नहीं। सीमांकन की कोई वैद्यता भी नहीं है। उपर से एक पार्टी सीमांकन कराता है, सामने वाला उसे मानने से इंकार कर देता है। उसके बाद सीमांकन पर सीमांकन चलता रहता है। राजस्व विभाग को कायदे से एक बार सीमाकंन कराकर छोड़ देना चाहिए। जिसे अपील करना हो, कोर्ट में करे। जाहिर है, सीमांकन के फेर में तहसीलों में जेब काटने का काम किया जाता है। आम आदमी को अनावश्यक तहसीलों का चक्कर लगाना पड़ता हैं।

एमपी जैसा सिस्टम क्यों नहीं?

जमीनों के नामंतरण में हालांकि, छत्तीसगढ़ अब अपने बड़े भाई मध्यप्रदेश से आगे निकल गया है। अपने यहां अब जमीनों की रजिस्ट्री होते ही आटोमेटिक नामंकन हो जा रहा। मगर बाकी राजस्व मामलों में अभी काफी पीछे है। जमीन या संपत्ति के मामलों को लेकर अभी भी सूबे के तहसीलों में लोग महीनों, सालों भटकते रहते हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने रेवेन्यू में बड़ा रिफार्म करते हुए तहसीलों में न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था को अलग कर दिया है। वहां सिविल केसेज के लिए अलग तहसीलदार हैं और प्रशासनिक के लिए अलग। इससे प्रकरणों का निबटारा बेहद फास्ट हो गया है। इससे पहले तहसील ऑफिसों का चक्कर लगाते आम आदमी के चप्पल घिस जाते थे। तहसीलदार कभी दौरे में होते थे, तो कभी प्रशासनिक काम के सिलसिले में फील्ड या कलेक्ट्रेट में। एमपी गवर्नमेंट ने इस दिक्कत को समझते हुए दोनों व्यवस्थाओं को अलग कर दिया। छत्तीसगढ़ सरकार चाहे तो एमपी से एक कदम आगे बढ़ते हुए तहसीलदारों के साथ एसडीएम में भी न्यायिक और एडमिनिस्ट्रेशन को अलग किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ में डिप्टी कलेक्टरों की वैसे भी कमी नहीं है। चीफ सिकरेट्री विकास शील को इस बड़े रिफार्म पर फोकस करना चाहिए। इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी। वैसे भी मुख्य सचिव डिजिटलाइजेशन पर जोर दे रहे हैं। तहसीलों का करप्शन कम करने के लिए सुनवाई को भी ऑनलाइन किया जा सकता है। जब हाई कोर्ट में ऑनलाइन सुनवाई हो सकती तो फिर तहसीलों में क्यों नहीं। इससे आम आदमी को तहसीलों के झंझटों से छुटकारा मिलेगा ही, जेब कटने से भी बचेगा।

पति-पत्नी और दो घर

रायपुर एयरपोर्ट के पास नकटी में विधायकों को और सेरीखेड़ी में नौकरशाहों को भले ही कुछ समय के लिए सरकारी जमीन आबंटन का मामला स्थगित कर दिया गया है, मगर जैसे ही सूबे की न्यायिक स्थिति अनुकूल होगी, फिर से आबंटन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसमें विधायकों, सांसदों और नौकरशाहों के लिए गुड न्यूज यह है कि अब पति-पत्नी दोनों को सरकारी जमीन का सुख मिलेगा। पिछली सरकार ने पति-पत्नी के केस में एक को जमीन का नियम बदलकर दोनों को सरकारी जमीन के लिए पात्र कर दिया था। याने पति-पत्नी विधायक हैं या आईएएस-आईपीएस, आईएफएस तो उन्हें अलग-अलग प्लॉट मिलेगा। एक पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी को इसी नियम के तहत प्लॉट दिया गया। अब, इसे आप ये मत समझिएगा कि पिछली सरकार पति-पत्नी को अलग प्लॉट देकर उनके घर को बांटना चाहती थी। ऐसा भी हो सकता है कि जितने बड़े नेता या आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, उतने अधिक स्ट्रेस, तनाव और लफड़े होते हैं। उनसे सहानुभूति रखते हुए पिछली सरकार ने फैसला किया कि सभी को फ्रीडम चाहिए, सबको अपने अंदाज में लाइफ जीने के लिए छूट देना चाहिए। वैसे भी सेपेरेट घर के अभाव में कई अफसर और नेता वीकेंड में मुंबई, गोवा चले जाते हैं...अलग घर रहने पर वे अपने हिसाब से रह सकेंगे। सो, आइडिया अच्छा है।

पोस्टिंग ठंडे बस्ते में

बिजली नियामक आयोग के चेयरमैन को इस्तीफा दिए लगभग दो महीने हो गए मगर अभी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इस पोस्ट के लिए बकायदा विज्ञापन जारी करने का प्रावधान है। आवेदन जमा करने के महीने भर बाद भर्ती प्रॉसेज प्रारंभ होगा। मगर अभी इस बारे में उर्जा विभाग में कोई सुगबुगाहट नहीं है। नियामक आयोग के गठन के बाद दो बार इंजीनियरिंग साइट से चेयरमैन रहे हैं और तीन बार रिटायर आईएएस। इस बार प्रतीत होता है कि इंजीनियरिंग साइट से कोई चेयरमैन बनें। क्योंकि, रिटायर आईएएस में अभी अमिताभ जैन के अलावा कोई है नहीं। और अमिताभ को मुख्य सूचना आयुक्त बनेंगे।

गुड न्यूज

मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के दावेदारों के लिए गुड न्यूज है। हाई कोर्ट से केस क्लियर होने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने सलेक्शन कमेटी की बैठक बुलाने के संदर्भ में लेटर भेज दिया है। मुख्यमंत्री सचिवालय जल्द ही चयन कमेटी की बैठक आहूत करेगा। कमेटी में मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल मेंबर हैं। मुख्यमंत्री की व्यस्तता की वजह से बैठक हो नहीं पा रही। मगर विधानसभा सत्र से पहले किसी भी दिन मुख्य सूचना आयुक्त और दो सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का आदेश निकल सकता है।

मंत्रालय में मजमा

छत्तीसगढ़ के मंत्रालय महानदी भवन में एक दिसंबर को सुबह पौने दस बजे से दस बजे के बीच 15 मिनट ऐसा नजारा रहा, वैसा 25 साल में कभी नहीं हुआ। पोर्च से गेट तक करीब 300 मीटर का फासला है। आलम यह था कि अफसरों की गाड़ियों की कतार गेट से बाहर सड़क तक पहुंच गई। उससे पहले पोर्च में गाड़ियों की कभी लाइन नहीं लगी। दफ्तर के टाईम में पांच-सात मिनट के अंतराल में एकाध गाड़ी आ गई तो बड़ी बात। मगर एक दिसंबर को मजमा जैसी स्थिति थी। दरअसल, एक दिसंबर से मंत्रालय में सचिवों के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस शुरू हुआ। हालांकि, मोबाइल में भी उसका एक्सेज दिया गया है। मगर पहले दिन कई सारे अधिकारियों ने ऐप्प डाउनलोड किया नहीं था। और, 10 बजे के पहले मंत्रालय पहुंचना भी था। इसलिए, एक साथ गाड़ियां का रेला मंत्रालय पहुंच गया। हालांकि, दिल्ली में भारत सरकार के ऑफिसों में ऐसा ही होता है। वहां 10 मिनट के अंतराल में सारे अधिकारी ऑफिस पहुंच जाते हैं, सो गाड़ियों की लाइन लग जाती है। बहरहाल, रायपुर मंत्रालय में सीएस खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उनके कंप्यूटर में 11 बजे पूरा अटेंडेंस डाउनलोड हो जाता है। 10 बजे तक मंत्रालय गुलजार हो जाने का यह भी एक बड़ा कारण है।

टूरिस्ट एंड ट्रेकिंग डेस्टिनेशन

दंतेवाड़ा के ढोलकल पहाड़ पर विराजित गणेशजी लोगों के आस्था के केंद्र तो हैं ही, ढोलकल पहाड़ अब टूरिज्म और ट्रेकिंग डेस्टिनेशन बनने जा रहा। दंतेवाड़ा जिला प्रशासन ने ट्रेकिंग के लिए रास्ता बना दिया है। वीकेंड में 500 से अधिक लोग ढोलकल पहुंच रहे हैं। पहाड़ी के नीचे आंध्र की एक कंपनी पीपीपी मोड में करीब साढ़े तीन एकड़ में रिसॉर्ट बना रही है। जाहिर है, चित्रकोट के बाद ढोलकल बस्तर का दूसरे नम्बर का टूरिस्ट सेंटर बन जाएगा। हालांकि, अध्यात्म के मामले में ढोलकल प्लस ही होगा।

मोदी और रमन की फ़ोटो

छत्तीसगढ़ में पीएम नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की एक फोटो की बड़ी चर्चा है। डीजीपी कांफ्रेंस के दौरान रमन अपने परिवार संग मोदी से मिलने पहुंचे थे। उसकी फोटो जारी हुई, उसमें एक छोटे से सोफे में मोदी और रमन एक साथ बैठे हैं। फ़ोटो चर्चा का विषय इसलिए भी बन गई कि मोदी के 11 साल पीएम रहने के दौरान ऐसी फ़ोटो देश में किसी देखी नहीं। प्रधानमंत्री कार्यालय फ़ोटो को लेकर काफी संजीदा रहता है। इस समय बिना पीएमओ की इजाजत कोई फ़ोटो जारी नहीं होती। इससे इस बात पर मुहर लगी कि डॉ रमन को पीएम मोदी खास वेटेज देते हैं।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस मंत्री ने पैसों के हिसाब के लिए एक अकाउंटेंट रख लिया है?

2. गाइड लाइन रेट बढ़ने से आम आदमी को नुकसान होगा या भूमाफियाओं और जमीन दलालों का?

ड्रग नेटवर्क के चार गैंग पुलिस के हत्थे चढ़े, नौ पैडलर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

राजधानी पुलिस मादक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है, बावजूद इसके ड्रग का अवैध कारोबार करने वाले तस्करों की चेन टूटने का नाम नहीं ले रही। पुलिस ने पंजाब से हेरोईन चिट्टा लाकर खपाने वाले चार अलग-अलग ड्रग पैडलर नेटवर्क का खुलासा करते हुए नौ पैडलर को गिरफ्तार किया है। चारों ड्रग नेटवर्क ग्रुप को पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर क्रेक किया है। पुलिस ने जिन नौ लोगों को गिरफ्तार किया है, उनसे जुड़े लोगों के बारे में पुलिस को जानकारी मिल गई है। पुलिस उन्हें भी जल्द गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। पुलिस ने ड्रग पैडलरों के कब्जे से 80 लाख रुपए कीमत का चार सौ ग्राम हेरोईन चिट्टा जब्त की है।

पुलिस ने कबीर नगर, आमानाका, सरस्वती नगर एवं आजाद चौक थाना क्षेत्र में संचालित ड्रग नेटवर्क से जुड़े पैडलर को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, उसके मुताबिक पूर्व में कुछ सीमित बड़े सप्लायर पंजाब से मादक पदार्थ मंगाकर आपूर्ति करते थे। वहीं अब गिरोह के विघटन के बाद कई छोटे नेटवर्क तैयार कर पंजाब जाकर कम मात्रा में चिट्टा लाकर स्थानीय स्तर पर खपा रहे थे। स्थानीय ड्रग पैडलरों का पंजाब के कई बड़े ड्रग पैडलरों के साथ सीधा संपर्क था, जो पाकिस्तान के ड्रग नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

कमलेश अरोड़ा पंजाब एवं दुर्ग-भिलाई के बड़े सप्लायरों के लिए फ्रंट के रूप में कार्य करता था तथा संपूर्ण लेन-देन नकद में करता था। उसके द्वारा धमतरी, बालौदबाजार एवं जगदलपुर तक नेटवर्क फैलाया गया। इसी नेटवर्क से धमतरी निवासी गौरव सोनी को गिरफ्तार किया गया। कमलेश अरोड़ा के कब्जे से गिरोह के द्वारा सप्लाई किए जाने के लिए रखा 303 ग्राम चिट्टा जप्त किया गया।

बगेल सिंह पंजाब से चिट्टा लाकर उसे छोटे-छोटे खेपों में स्थानीय पैडलरों को सप्लाई करता था। वह पूर्व में रायपुर में ड्राइवरी का कार्य करता था तथा स्वयं का नेटवर्क विकसित करने का प्रयास कर रहा था। बगेल सिंह के कब्जा से पुलिस ने 51.85 ग्राम हेरोइन चिट्टा जब्त किया है। आयुष दुबे पूर्व में सुवीत श्रीवास्तव एवं पिंडर गिरोह से चिट्टा खरीदता था। बाद में उसने चिट्टा से मिलने वाले लाभ को देखते हुए स्वयं पंजाब जाकर मादक पदार्थ लाकर स्थानीय स्तर पर विक्रय प्रारंभ किया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद लोरमी, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

क्र./ 855/न.पा.प./ लो.नि.वि./2025-26 लोरमी, दिनांक 05/12/2025

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना (1st call)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1- Bid Start Date-06-12-2025 Time- 5:30 Pm
2- Bid Due Date-26-12-2025 Time- 5:30 Pm
3- Physical Submission Date-29-12-2025 Time- 5:30 Pm
4- Bid Open Date (Scheduled)-30-12-2025 Time- 12:00 Noon

S. No.	System Tender No.	Name Of Work	Estimated Cost (In Lacs)
1	181325	तुलसाघाट तालाब सौंदर्याकरण कार्य वार्ड क्र.17	129.45
2	181326	गांधीडीह तालाब सौंदर्गीकरण कार्य वार्ड क्र. 08	103.16
3	181327	शिवघाट सौंदर्याकरण कार्य वार्ड क्र. 01	124.68
4	181328	मेला ग्राउंड विस्तारीकरण कार्य वार्ड क्र. 01	63.95
5	181329	विभिन्न वार्डो में फुटपाथ निर्माण कार्य	118.67
6	181330	वार्ड क्र. 12 कोतरी नाला में माँ समलाई टेंट हाउस तक आरसीसी नाली निर्माण	155.34
7	181296	वार्ड क्र. 14 कॉलेज में बाउंण्ड्रीवाल निर्माण कार्य	21.54
8	181322	वार्ड क्र. 14 कॉलेज परिसर में पेवर ब्लॉक कार्य	19.54
9	181321	वार्ड क्र. 14 कॉलेज परिसर में हाई मास्क लाईट स्थापना	12.38
10	181324	वार्ड क्र. 14 शासकीय कालेज में शेड निर्माण कार्य	19.34

टीप- उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in पर तथा विभागीय वेबसाइट https://www.uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है। किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी। पृथक से समाचार पत्र प्रकाशित नहीं की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद लोरमी

कार्यालय आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा छत्तीसगढ़
स्वास्थ्य भवन, द्वितीय तल, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर (छ.ग.) 492002

क्रमांक/Q-1/छात्र / काउंसिलिंग / संचिशि / 2025
रायपुर, दिनांक: 05/12/2025

प्रवेश वर्ष 2025 छत्तीसगढ़ राज्य के चिकित्सा स्नातकोत्तर (MD/MS) पाठ्यक्रम की प्रथम चरण की काउंसिलिंग हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पुनः प्रारंभ किये जाने संबंधी सूचना

पूर्व में कार्यालय आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा, छत्तीसगढ़ के सूचना क्रमांक Q-1/ छात्र/ काउंसिलिंग / 2025, दिनांक 22/11/2025 के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य कोटे की चिकित्सा स्नातकोत्तर (MD/MS) पाठ्यक्रम की सीटों पर प्रवेश हेतु राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित NEET-PG 2025 में पात्र घोषित अभ्यर्थियों से प्रथम चरण की काउंसिलिंग हेतु ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया स्थगित की गई थी। उक्त संबंध में काउंसिलिंग में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि प्रथम चरण की काउंसिलिंग हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अब पुन: प्रारम्भ की जा रही है।

अत: काउंसिलिंग में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी, समय-सारणी एवं निर्देशों हेतु वेबसाइट www.cgdme.in का अवलोकन करें। **(आयुक्त चिकित्सा शिक्षा द्वारा अनुमोदित)**

अध्यक्ष
चिकित्सा स्नातकोत्तर काउंसिलिंग समिति, संचालनालय चिकित्सा शिक्षा (छ.ग.)

जी. 252605285/2

निगम, मंडल, आयोग की दूसरी सूची के लिए 8 माह से इंतजार

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

निगम, मंडल, आयोग और बोर्ड में बचे पदों के लिए भाजपा नेताओं को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। पहली सूची इस साल अप्रैल में नवरात्रि के समय आई थी। पहले संभावना जताई जा रही थी कि दूसरी सूची भी जल्द आएगी, लेकिन सूची के लिए इंतजार लंबा होता गया और चैत्र नवरात्रि में दूसरी सूची आने की बात सामने आई। अब तो नवरात्रि क्या दीपावली भी निकल गई पर अब तक दूसरी सूची नहीं आई है। वैसे दूसरी सूची के ज्यादातर पदों के लिए नामों पर मंथन हो गया है और राष्ट्रीय नेताओं के साथ चर्चा भी हो गई है, लेकिन सूची जारी कब होगी, यह किसी को मालूम नहीं है।

प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की नई कार्यकारिणी के ऐलान के बाद अब जहां विधायकों की नजरें संसदीय सचिवों के पदों पर हैं, वहीं निगम, मंडल और आयोग में बचे पदों को लेकर भी भाजपा नेता इंतजार कर रहे हैं। पहले संभावना जताई गई कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विदेश प्रवास से भी लौटने के बाद सूची जारी हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसके बाद नवरात्रि में सूची जारी होने की बात सामने आई, लेकिन नवरात्रि भी निकल गई, इसके बाद दीपावली से पहले सूची जारी होने की बात सामने आई। दीपावली भी अब निकल चुकी है, लेकिन अब तक सूची जारी नहीं हुई है।

इनमें नियुक्ति अभी बाकी

जिन निगम, मंडलों में अभी नियुक्ति बाकी है उनमें मार्कफेड, लघु वनोपज सहकारी संघ, मत्स्य महासंघ, हथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ, सिंधी अकादमी और सहकारी संघ शामिल हैं। इसी के साथ पांच जिलों के सहकारी केंद्रीय बैंक और चार शक्कर कारखानों में भी अध्यक्ष की नियुक्ति की जानी है। इसके अलावा रायपुर विकास प्राधिकरण, गृह निर्माण मंडल जैसे निगम, मंडलों में उपाध्यक्षों के साथ सदस्यों के पद भी खाली हैं। इनकी संख्या भी डेढ़ दर्जन से ज्यादा है। इनमें भी नियुक्ति को लेकर प्रदेश सरकार का प्रदेश संगठन के प्रदेश और राष्ट्रीय नेताओं के साथ मंथन हो चुका है। कुल मिलाकर करीब तीन दर्जन पदों पर भाजपा नेताओं को मौका मिलेगा।

संसदीय सचिवों की नियुक्ति भी बाकी

प्रदेश में भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल का लंबे इंतजार के बाद मुख्यमंत्री श्री साय के विदेश प्रवास पर जाने से पहले अगस्त में विस्तार हो चुका है। प्रदेश सरकार ने तीन नए मंत्री बनाए हैं। मंत्रिमंडल में जिनको स्थान नहीं मिल सका है, उन नए विधायकों की नजरें अब संसदीय सचिवों के पदों पर हैं।

गैर-इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले छात्र भी कर सकेंगे ट्रिपलआईटी से पीएचडी

डिजिटल ह्यूमैनिटीज और एप्लाइड साइंसेज जैसे विषय भी शामिल

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

ट्रिपलआईटी रायपुर से अब इंजीनियरिंग छात्रों के साथ ही गैर-इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थी भी पीएचडी कर सकेंगे। इसके लिए ट्रिपलआईटी ने अधिसूचना जारी कर दी है। बहु-विषयक शोध और डॉक्टोरल अध्ययन में विविधता को बढ़ावा देने के लिए ट्रिपलआईटी द्वारा यह प्रयोग किया जा रहा है। यह परिवर्तन संस्थान की सीनेट और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा स्वीकृत के बाद जनवरी 2026 से प्रभावशील हो जाएगा। इस नए प्रावधान के बाद ट्रिपलआईटी के पीएचडी कार्यक्रम के अंतर्गत अब विज्ञान, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और अन्य गैर-इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाले छात्रों के साथ-साथ पारंपरिक इंजीनियरिंग स्नातकों से भी आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। चयनित छात्रों को स्कालरशिप के साथ इस नए कार्यक्रम में प्रवेश दिया जा सकेगा। यह पहल अंतरविषयक ज्ञान सृजन को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले शोध में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के राष्ट्रीय प्रयासों के अनुरूप है। संशोधित कार्यक्रम के तहत इस संशोधित संरचना के अंतर्गत डॉक्टोरल शोधार्थी कंप्यूटर साइंस, डेटा साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रबंधन, अंग्रेजी एवं संचार, डिजिटल ह्यूमैनिटीज और एप्लाइड साइंसेज जैसे विभागों में कार्य कर सकेंगे। ट्रिपलआईटी प्रबंधन के मुताबिक, इस प्रयोग के तहत शोधार्थियों को नवाचारी अनुसंधान मार्ग विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इनमें एआई संग हेल्थकेयर, डेटा साइंस संग सामाजिक नीति, मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन संग मनोविज्ञान, साइबर सुरक्षा संग विधि एवं नैतिकता जैसे संयोजन शामिल है। ट्रिपलआईटी के निदेशक प्रो. ओमप्रकाश व्यास ने कहा, संशोधित कार्यक्रम परिवर्तनकारी है। जटिल चुनौतियां बहुविषयक अंतर्दृष्टि की आवश्यकता रखती हैं। अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए छात्रों द्वारा शोधकार्य किए जाने से समाज की बदलती आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकेगी।

आवेदन प्रारंभ

प्रथम बैच के लिए आवेदन नवंबर से प्रारंभ हो चुके हैं। छात्र 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकेंगे। प्रवेश संबंधित औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद जनवरी माह से इसकी शुरुआत की जा सकेगी। पीएचडी कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को विभिन्न विभागों के दो सलाहकारों के साथ कार्य करने का अवसर मिलेगा। एमएचआरडी के दिशा-निर्देशों के अनुसार 37,000 रुपए प्रति माह अनुसंधान अस्सिस्टेंटशिप प्रदान किया जाएगा। शोधार्थी नवनिर्मित बहुविषयक प्रयोगशालाओं, कम्प्यूटेशनल संसाधनों और नवाचार क्षेत्रों का उपयोग कर सकेंगे।

पुराने आवेदकों को पुनः करना होगा च्वाइस फीलिंग, अंतिम तिथि 8 दिसंबर

एमडी-एमएस की सीटों के लिए पुनः आवेदन, संशोधन के बाद 180 सीटों पर मिलेगा संस्थागत आरक्षण का लाभ

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

पहले राउंड के बाद आवंटित सीटों पर प्रवेश अनिवार्य, नहीं तो पंजीयन शुल्क जब्त

मेडिकल पीजी प्रवेश के नियम में संशोधन के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एमडी-एमएस की सीटों पर पुनः आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ की है। इसके लिए 8 दिसंबर तक का वक्त दिया गया है और पुराने आवेदकों को फिर से च्वाइस फीलिंग करने कहा गया है। नियम में किए गए संशोधन के आधार पर अब राज्य कोटे की कुल 405 सीटों में से करीब 180 सीटों पर संस्थागत आरक्षण का लाभ मिलेगा। इसके अलावा पहले राउंड के बाद अगर अभ्यर्थी आवंटित सीटों पर प्रवेश नहीं लेते, तो पंजीयन शुल्क जब्त किया जाएगा।

राज्य के सात शासकीय और तीन निजी मेडिकल कालेजों में पीजी की सीटों पर एडमिशन की प्रक्रिया पूरी की जानी है। डोमिसाइल आधार पर आरक्षण के मामले में हाईकोर्ट के फैसले के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने नियम में संशोधन किया है। इसके तहत राज्य कोटे की कुल सीटों को दो हिस्सों में बांटकर इसमें संस्थागत आरक्षण और ओपन मेरिट पर एडमिशन देने का नियम बनाया गया है। एडमिशन के लिए शनिवार से पुनः आवेदन शुरू किया गया, जो 8 दिसंबर तक पूरी किया जाएगी। राज्य के दसों मेडिकल कालेज में एमडी-एमएस की कुल 405 सीटें हैं, जिसमें से लगभग 180 सीटें संस्थागत आरक्षण में उपयोग होंगी। यानी इन सीटों में आयुष विवि के लिए एनएमसी से मान्य चिकित्सा महाविद्यालयों से एमबीबीएस करने वालों को एडमिशन दिया जाएगा। शेष सीटों पर प्रवेश ओपन मेरिट आधार पर यानी राज्यस्तरीय सूची से किया जाएगा।

पहले 50 फीसदी स्थानीय को

पूर्व के नियम में शासकीय कालेज की 50 फीसदी सीट राज्य कोटे की होती थी और शेष सीटों पर ऑल इंडिया कोटे के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता था। वहीं निजी कालेजों में 15 फीसदी सीट एनआरआई कोटे की होती थी और बाकी सीट राज्य की मानी जाती थी। इन सीटों पर प्रवेश के दौरान स्थानीय छात्रों को प्रवेश का मौका दिया जाता था। इस बार नियम में बदलाव किया गया है।

पॉवर कंपनी को सरकारी विभागों का तीन हजार करोड़ के बकाया का करंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को प्रदेशभर के सरकारी विभागों ने बिजली बिल बकाया का तीन हजार करोड़ का करंट देकर रखा है। इसमें से सबसे ज्यादा 19 सौ करोड़ का बकाया तो अकेले नगरीय निकाय विभाग पर है। हमेशा ही नगरीय निकाय विभाग पर ही ज्यादा बकाया रहता है। प्रदेश के ज्यादातर नगरीय निकाय बिजली बिलों का भुगतान करते ही नहीं हैं। इनके कनेक्शन स्ट्रीट लाइट और पानी के ज्यादा रहते हैं, ऐसे में कभी इनके कनेक्शन भी कट नहीं होते, क्योंकि ये आम जनता से जुड़ी सुविधाओं वाले कनेक्शन रहते हैं। प्रदेश में आम उपभोक्ता पर थोड़ा सा बकाया होने पर उनकी बिजली कट करने पॉवर कंपनी के कर्मचारी पहुंच जाते हैं। वहीं सरकारी विभागों की बिजली कभी कट नहीं की जाती है। यही वजह है कि सरकारी विभाग हमेशा से बेलगाम रहे हैं। ये बिल ही जमा नहीं करते। अंत में पॉवर कंपनी को प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर बजट में विभागीय बजट से ही बिलों का भुगतान लेना पड़ता है। इस समय सरकारी विभागों में सबसे बड़ा बकाया नगरीय निकायों पर 19 सौ करोड़ से ज्यादा का है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर 600 करोड़ से ज्यादा का है। इस के साथ अन्य विभागों पर एक करोड़ से लेकर सौ करोड़ तक का बकाया है।

सरकारी विभागों पर बकाया लगातार बढ़ते जा रहा है। इस समय करीब तीन हजार करोड़ का बकाया है। बीते साल अगस्त में यह बकाया 1988 करोड़ था जो बढ़ते-बढ़ते मार्च 2025 में 2444.91 करोड़ हो गया था। अब यह बकाया और बढ़ गया है। इस बकाया के भुगतान के लिए पॉवर कंपनी विभागीय मंत्रियों से संपर्क करके जानकारी दे रही है ताकि भुगतान मिल सके।

आरडीएसएस का पैसा रुक सकता है

केंद्र सरकार से आरडीएसएस योजना के तहत कई योजनाओं में करोड़ों रुपए मिलते हैं, लेकिन अब इसके लिए यह शर्त हो गई है कि राज्य सरकार पर कोई बकाया नहीं होना चाहिए। यही वजह है कि राज्य सरकार की तरफ से प्रयास होता है कि पॉवर कंपनी का कोई बकाया न रहे। पुराना बकाया भी धीरे-धीरे करके दिया जा रहा है, लेकिन इस समय सरकारी विभागों का बकाया जिस तरह से बढ़ गया है, उससे तय है कि केंद्र सरकार से मिलने वाली विभिन्न योजनाओं की मदद पर असर पड़ सकता है।

चाकू की नोक पर बदमाश ने युवक से पैर छूकर माफी मंगवाई

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

डीडीनगर थाना क्षेत्र के चंगोराभाठा में एक बदमाश द्वारा क्षेत्र में अपना वर्चस्व स्थापित करने एक युवक को चाकू की नोक पर पैर छूकर माफी मंगवाने का सोशल मीडिया में वीडियो वायरल किया जा रहा है। घटना की थाना में अब तक किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस अपने स्तर पर पड़ताल कर कार्रवाई करने की बात कह रही है। वायरल वीडियो में यश नाम का युवक दूसरे लड़के को सोशल मीडिया पर झूठी बातें फैलाने का आरोप लगाते हुए धमका रहा है। चाकू की नोक पर वह लड़के को पैर छूने के लिए मजबूर करता है। इसके बाद लड़का डर कर यश नामक बदमाश के पैर छूकर माफी मांगते दिख रहा है। पीड़ित लड़के ने विरोध करने की कोशिश भी की, लेकिन डर के कारण विवश होकर माफी मांगता है। ऐसे पूर्व में अन्य वायरल वीडियो में पुलिस स्वतः संज्ञान लेते हुए बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई भी कर चुकी है। बदमाश इस तरह के ज्यादातर वीडियो इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल साइट पर पोस्ट कर लोगों को डराने का काम करते हैं।

कैल्शियम सिरप की बोतल में चिपचिपी वस्तु, मांस होने के संदेह में हंगामा, शिकायत पर जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

गर्भावस्था के दौरान महिला को सेवन के लिए दिए गए कैल्शियम सिरप की बोतल से निकली चिपचिपी वस्तु को लेकर देवपुरी उप स्वास्थ्य केंद्र में हंगामा हो गया। महिला और उसके परिजनों ने बोतल में मांस होने का संदेह जताया, जिसके बाद देवपुरी स्वास्थ्य केंद्र में हंगामा हो गया। शिकायत मिलने पर मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। संदेह यह है कि ठंड के मौसम में कैल्शियम की सिरप जम गई होगी, जो ढक्कन खोलने पर उसी हालत में बाहर आ गई।

जानकारी के अनुसार कमल विहार में रहने वाली देविका गर्भवती है और उसका इलाज देवपुरी के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हो रहा है। बताया जाता है कि 14 नवंबर को जांच के दौरान चिकित्सकीय स्टाफ ने उसे पीने के लिए कैल्शियम सिरप दिया था। बताया जाता है कि आज देविका ने जब बोतल का ढक्कन खोला, तो उसमें से चिपचिपी वस्तु निकली, जिसके मांस होने का संदेह जताया गया। देविका अपने पति कृष्णा साहू और अन्य लोगों के साथ स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। उन्होंने चिकित्सकीय स्टाफ के सामने सिरप में मांस होने का शक जताया। इसे लेकर वहां हंगामा हो गया। मामले की शिकायत पर जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश चौधरी ने जांच का आदेश दिया है। जानकारों का कहना है कि सामान्य सिरप से अधिक गाढ़ा रहने वाली कैल्शियम की सिरप ठंड के मौसम में जम गई होगी। इसमें किसी तरह की अन्य वस्तु होने से इनकार किया गया है।

सिरप की अन्य बोतल में भी

साहू दंपति ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर जब इस घटना के बारे में बताया, तो वहां के कर्मचारियों ने स्टॉक में मौजूद कुछ अन्य सिरप की जांच की, तो उसमें भी इस तरह की वस्तु नजर आई। उन्होंने सजगता दिखाते हुए सिरप की बोतल को सील कर दिया। महिला ने चिकित्सकीय स्टाफ को बताया कि सिरप में तैर रहे इस टुकड़े को देखकर वह भयभीत हो गई और तत्काल पति के साथ हेल्थ सेंटर आ गई।

आईटी रेड में पांच सौ करोड़ की बोगस बिलिंग के मिले साक्ष्य

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

राजधानी में जिन 45 स्टील कारोबारी तथा उनसे जुड़े लोगों के यहां आयकर विभाग की टीम ने छापे की कार्रवाई की है, उन कारोबारियों के अलग-अलग परिसरों से पांच सौ करोड़ रुपए के बोगस बिलिंग करने के साक्ष्य आयकर अफसरों को मिला है। छापे की कार्रवाई तीसरे दिन भी जारी रही। सूत्रों ने रविवार देर शाम तक छापे की कार्रवाई कंपलीट होने की संभावना व्यक्त की है। छापे की कार्रवाई के साथ आयकर विभाग के अफसर कारोबारियों के बयान भी दर्ज कर रहे हैं।

जिन कारोबारी तथा उनसे जुड़े लोगों के यहां आयकर अफसरों की टीम कार्रवाई कर रही है, उनके ठिकानों से शुक्रवार को आयकर अफसरों ने सात करोड़ रुपए कैश बरामद किया है। बरामद कैश में कितनी पक्के की रकम है, कितनी कच्चे की रकम, इस संबंध में आयकर अफसरों ने अभी तक किसी तरह से अधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की है। साथ ही अलग-अलग बैंकों के जो 18 लॉकर मिले हैं, उन लॉकरों को अभी तक नहीं खोला गया है। सूत्रों के मुताबिक तीसरे दिन भी आयकर अफसरों को कारोबारी ठिकानों से बड़े पैमाने पर प्रापर्टी के दस्तावेज मिले हैं। आयकर अफसरों की टीम कारोबारियों के यहां से मिले बोगस बिलिंग की जांच में जुटी हुई है।

साइबर एक्सपर्ट की 15 सदस्यी टीम पहुंची

कारोबारियों के कम्प्यूटर, हार्ड डिस्क, लैपटॉप तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की जांच करने आयकर विभाग के साइबर एक्सपर्ट की 15 सदस्यी टीम मुंबई तथा कोलकाता से रायपुर पहुंची है। साइबर एक्सपर्ट की टीम डीलीट डेटा रीकवर करने के साथ ही लेन-देन की बैकअप फाइलें अपने हार्ड डिस्क में स्टोर करने का काम कर रही है।

राशिफल

मेष — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

वृष — मन प्रसन्न तो रहेगा। परन्तु बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है।

मिथुन — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।

कर्क — परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। भाइयों से मतभेद हो सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। किसी मित्र के सहयोग से सम्पत्ति में किया गया निवेश लाभप्रद रहेगा। मीठे खानपान में रुचि रहेगी।

कन्या — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी बुजुर्ग महिला से धन मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

तुला — वाणी में मधुरता रहेगी। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी।

धनु — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। कारोबार में किसी मित्र के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा। परन्तु आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मीन — मन प्रसन्न रहेगा। कर्मक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

परिवहन मंत्री ने किया आईडीटीआर का निरीक्षण

ड्राइविंग ई-ट्रैक में चालकों के कौशल परीक्षण की प्रक्रिया का किया अवलोकन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने शनिवार को नवा रायपुर स्थित आईडीटीआर (इंस्टिट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च) तेंदुआ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिवहन सचिव एस. प्रकाश, संयुक्त परिवहन आयुक्त यूबीएस चौहान और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री श्री कश्यप को आईडीटीआर के संचालन, प्रशिक्षण व्यवस्था, ऑटोमोबाइल लैब और वाहन सिमुलेटर के माध्यम से दिए जा रहे प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने क्लासरूम एवं लैब प्रशिक्षण के साथ ही ड्राइविंग ई-ट्रैक में चालकों के कौशल परीक्षण की प्रक्रिया का भी अवलोकन कराया। इस दौरान मोटरसाइकिल और भारी वाहनों के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट का प्रदर्शन किया गया। मंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षण के लिए आए वाहन चालकों से चर्चा की। चालकों ने बताया कि यहां उन्हें वाहन संचालन के साथ बुनियादी तकनीकी ज्ञान, ड्राइविंग कौशल में सुधार और मोटरयान अधिनियम एवं नियमों की महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा, राज्य शासन के विभिन्न विभागों में ड्राइवर भर्ती प्रक्रिया के दौरान ड्राइविंग परीक्षण आईडीटीआर के माध्यम से कराए जाएं, ताकि उपलब्ध अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग करते हुए कुशल वाहन चालकों का चयन सुनिश्चित किया जा सके।

वाहन चालकों को प्रशिक्षण और रीफ्रेशर कोर्स के लिए प्रेरित करें

मंत्री ने परिवहन अधिकारियों को निर्देशित किया कि रायपुर और आसपास के जिलों के अधिक से अधिक वाहन चालकों को प्रशिक्षण और रीफ्रेशर कोर्स के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा, मोटरयान अधिनियम के उल्लंघन के कारण जिन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जा रहे हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से आईडीटीआर में प्रशिक्षण दिलाया जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

शब्द पहेली - 6070

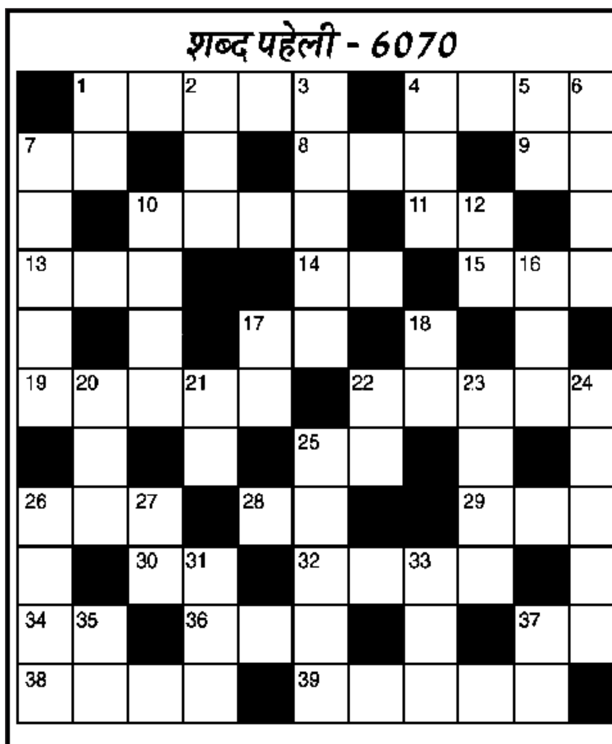

बाएँ से दाए
1. पावर हाऊस -5
4. दिमागी, कल्पित-4
7. हृदय-2
8. खोदना-3
9. प्रचार वाक्य, स्लोगन-2
10. नुकीला-4
11. कलिका-2
13. प्यारा, लाडला-3
14. विशिष्ट, विशेष-2
15. खर्च, उपभोग-3
17. नौका-2
19. नाम करण-2,3
22. चमकीला-5
25. महोदय (अंग्रेजी-2)
26. रनिवास, जनवासा-3
28. संध्या, सांझ-2
29. दलना, महीन करना-3
30. जस, सम्मान -2
32. कारागृह-4
34. आलाप, लय, सुर-2
36. पागल स्त्री-3
37. इंकार, मना-2
38. सराबोर, सना हुआ -4
39. वेश्या, तवायफ-5

ऊपर से नीचे
1. चूहे का घर-2
2. नेता-3
3. सार-संभार-2,3
4. आदर्श, कसौटी-3
5. छाती-2
6. अचरज भरा कार्य-4
7. हृदय को ठेस लगना-5
10. अनवरत वर्षा-4
12. जूं का अंडा-2
16. ओट, घूंघट-3
17. मां के पिता-2
18. दुख, कष्ट-2
20. राष्ट्रीय पक्षी-3
21. पत्र, लैटर-2
22. गुप्तचर, दूत-2
23. कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24. रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25. समयुगीन, समवर्ती-5
26. बंद, स्ट्राइक-4
27. सुरा, शराब-2
31. वचन, प्रतिज्ञा-3
33. बंदर-3
35. नथनी, नथिया-2
37. शहद-2

शब्द पहेली- 6069 का हल

ग	र	म	म	सा	ला	■	क	दा	चा	र
ती	खा	■	हा	■	या	क	र	■	र	वा
वि	■	अ	ज	ग	र	■	म	ल	■	य
धी	मा	प	न	■	■	म	■	की	म	त
ही	■	ल	■	श	ता	न	ब	■	जा	■
न	म	क	दा	नी	■	मा	न	सि	क	ता
■	क	■	म	च	ल	ना	■	या	■	र
अ	र	ज	■	र	■	■	ऐ	श	व	त
ह	■	स	द	■	न	रो	त	म	■	म्य
म	न	■	ग्र	स	म	■	बा	■	टा	पू
क	र	त	ल	■	श	ग्र	र	त	पू	र्ण

सूडोकु नवताल- 6080

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6079 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी जी

स्मृति शेष

प्रार्थना सभा व गंगा प्रसादी आयोजन

भावपूर्ण अश्रुओं और जीवन दर्शन के 'भजनों से स्मृतियां' संजोई

एक भावपूर्ण दिन.... स्वर्गीय पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी का त्रयोदशी संस्कार, प्रार्थना सभा और गंगा प्रसादी का आयोजन ग्वालियर स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स के भवन में सुबह 11:30 बजे से रखा गया था। इसमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सभी गणमान्य लोगों ने पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके सामाजिक अवदान को याद किया। इस दौरान भजन संगीत के माध्यम से जीवन की सार्थकता का संदेश भी दिया गया। पंडित कीर्ति नारायण द्विवेदी जी हरिभूमि, आईएनएच और जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के पिताश्री थे। श्रद्धांजलि सभा में सभी दिग्गजों ने पंडित द्विवेदी जी की सत्य निष्ठा और तप निष्ठा को याद कर उनकी पुण्य स्मृतियों को संजोया।

भजनों के माध्यम से पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई

पुष्पांजलि

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने इस मौके पर डॉ. हिमांशु द्विवेदी के परिवारजनों से मिलकर उनको ढांढस बंधाया।

पूजा अर्चना

स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के बड़े बेटे डॉ. हिमांशु ने त्रयोदशी के मौके पर पुण्य आत्मा की शांति के लिए पूजा अर्चना की।

इन हस्तियों ने जताई संवेदनाएं

हरिभूमि-आईएनएच और जनता टीवी के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के यहां मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री तुलसी सिलावट और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शोक व्यक्त किया।

छग के पूर्व विस अध्यक्ष भी पहुंचे

छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक और भाजपा के वरिष्ठ नेता सौदान सिंह डॉ. हिमांशु और उनकी माता जी श्रीमती रमा द्विवेदी से मिलकर उनको सांत्वना देते हुए।

श्रद्धासुमन

छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ग्वालियर पहुंचे और वहां स्व.कीर्ति नारायण द्विवदी जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने दुख जताया

मप्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने डॉ. हिमांशु और उनके परिवार से मिलकर शोक संवेदना जताई।

पारिवारिक रीति रिवाज

इस दौरान पारिवारिक रीति रिवाजों का पालन किया गया। डॉ. हिमांशु के परिजन और रिश्तेदार मौजूद रहे।

ढांढस बंधाया

डॉ. हिमांशु द्विवेदी को ढांढस बंधाते हुए गणमान्य वरिष्ठजन।

दिनभर रहा आना-जाना

ग्वालियर के चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में आयोजित त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होने वाले शुभचिंतक एवं रिश्तेदारों का दिन भरआना जाना लगा रहा।

हाल-चाल भी लिया

डॉ. हिमांशु और उनके परिजनों से आगंतुकों ने हालचाल भी जाना

शोक संवेदना

हरियाणा सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने डॉ. हिमांशु को सांत्वना दी।

परंपरा निर्वहन

परंपरा के अनुसार त्रयोदशी के मौके पर पूजा व गंगा प्रसादी का आयोजन किया गया। इसके बाद ब्राह्मण भोज हुआ। डॉ. हिमांशु ने विधि विधान से परंपराओं को पूर्ण कराया।

प्रार्थना सभा में भावपूर्ण श्रद्धांजलि

प्रार्थना सभा के दौरान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स भवन में श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान बड़ी संख्या में डॉ. हिमांशु के परिजन, रिश्तेदार सहित दूर दराज से आए गणमान्य नागरिकों ने प्रार्थना सभा और गंगा प्रसादी के आयोजन में भाग लिया। विशिष्टजनों ने स्व. कीर्ति नारायण द्विवेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व के बारे में अपने विचार रखे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सरकार ने हवाई...

कम पिछले पांच दिनों से काफी बाधा आ रही है, जिससे बड़ी संख्या में उड़ान रद्द और विलंबित हो रही हैं। शनिवार को देश की सबसे बड़ी एयरलाइन ने 400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि शुक्रवार को रद्द उड़ानों की संख्या 1,000 से अधिक थी।

48 घंटे में घर पहुंचेगा यात्रियों का सामान-

इसके अलावा, एयरलाइन को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि जिन यात्रियों का ट्रैवल प्लान रद्द या प्रभावित हुआ है, उनसे कोई रिशेड्यूलिंग चार्जेस न लिए जाएं। मंत्रालय ने निर्देश दिया कि एयरलाइन यह सुनिश्चित करे कि उड़ान रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों के छूटे हुए सामान का पता लगाया जाए और अगले 48 घंटों के भीतर उन तक पहुंचाया जाए। मंत्रालय ने साफ किया कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी या नियमों का पालन न करने पर तुरंत नियामक कार्रवाई की जाएगी।

सरकार करेगी...

होंगी, भले ही खरीदारी सीधे एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से की गई हो या विभिन्न ऑनलाइन यात्रा एजेंट मंच से की गई हो।

सरकार द्वारा जारी...

किराया सीमाएं तब तक लागू रहेंगी जब तक किराये स्थिर नहीं हो जाते या अगला आदेश जारी नहीं होता। ये किराया सीमाएं सभी प्रकार की बुकिंग पर लागू होंगी, चाहे टिकट एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट से खरीदा गया हो या किसी ऑनलाइन ट्रैवल एजेंट के प्लेटफॉर्म से। एयरलाइंस सभी श्रेणियों में टिकट उपलब्धता बनाए रखेंगी और आवश्यकता होने पर उन सेक्टरों में क्षमता बढ़ाने पर विचार करेंगी जहां मांग अचानक बढ़ गई हो।

चाची-भतीजी से...

सनावल थाना क्षेत्र का है।

बताया जा रहा है कि 7 सितंबर को एक 25 साल की विवाहित महिला अपनी 14 साल की भतीजी के साथ लकड़ी लेने के लिए जंगल गई हुई थी। इस दौरान जंगल में मौजूद झारखंड निवासी सैयद अली, फैयाज अंसारी और सोनू अंसारी ने जंगल में महिला और उसकी नाबालिग भतीजी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपियों ने महिला के बच्ची को धमकाया कि अगर उन्होंने घटना की जानकारी किसी को दी तो जान से मार देंगे। वारदात के बाद आरोपी जंगल से भाग निकले जबकि महिला और उसकी भतीजी किसी तरह घर पहुंचे। परिजन का कहना है कि घटना के बाद महिला सदमे में थी और 7 सितंबर की रात को ही उसने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के बाद मामले में सनावल पुलिस ने मर्ग कायम कर लाश को पीएम उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया था।

पिता ने लगाया हत्या का आरोप-

महिला व नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं करने के बाद मृतका के परिजन न्याय के लिए भटक रहे थे। इस दौरान मृतका के पिता ने भी एसडीओपी रामानुजगंज को मामले की शिकायत की। पिता ने आरोप लगाया था कि झारखंड के तीन युवकों ने उसकी बेटी को फोन कर जंगल में बुलाया और गैंगरेप किया। इसके बाद उन्होंने ने उसकी हत्या कर दी।

जांच के बाद आईजी के निर्देश पर एफआईआर-

न्याय के लिए भटक रहे परिजन ने मामले की शिकायत नवंबर महीने में आईजी दीपक कुमार झा से की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आईजी ने मामले की जांच कराई तो घटना की पुष्टि हुई जिसके बाद आईजी के निर्देश पर सनावल थाना में 3 दिसंबर को सामूहिक दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज किया गया है। इसके साथ ही इस मामले में झारखंड के कुसुमियादागर निवासी सैयद अली (21), फैयाज अंसारी (22) और सोनू अंसारी (30) के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया। जांच में लापरवाही पर आईजी के निर्देश पर एएसआई रोशन लकड़ा को निलंबित करने के साथ ही थाना प्रभारी सनावल गजपति मिर्रे को लाइन अटैच कर दिया गया है। वहीं, आईजी ने इस मामले की जांच का जिम्मा एएसपी बलरामपुर को दिया है जांच के बाद अन्य पर भी कार्रवाई की जाएगी।

कुलदीप, कृष्णा का...

पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट श्रृंखला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हद तक कम किया।

500 करोड़ के...

शिक्षा, पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, आजीविका संवर्धन और खनन प्रभावित क्षेत्रों का विकास से हटकर करोड़ों की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। विशेषकर कोरबा जिले में ऐसे कार्य स्वीकृत किए गए, जो न तो प्राथमिकता सूची में आते थे और न ही स्थानीय आवश्यकता पर आधारित थे।

छत्तीसगढ़, मप्र और...

रह गया। मैं खुद भी उनसे कई बार मिला हूं उनकी व्यवहार कुशलता को देखकर काफी प्रभावित हुआ। उनका व्यक्तित्व ही उनके कोमल ह्दय और संवेदनशीलता की प्रति स्वतः इशारा कर देने वाला था।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि दिव्य आत्मा को मैं कोटि-कोटि नमन करता हूं और ईश्वर से कामना करता हूं कि वे उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। श्री कौशिक ने कहा कि उनकी सरलता और सभी अपने परिवार जैसा स्नेह देना ही उनका स्वभाव था। वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके पुण्य कर्म और उनका बताया गया रास्ता हम सबके लिए हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

रबी सीजन में...

प्राकृतिक आपदा पर होगी क्षति सर्वेः रबी सीजन में जो किसान प्रीमियम राशि जमा करेंगे, उन्हें फसल नुकसान होने की स्थिति में लाभ मिलेगा। बैंक, इंश्योरेंस कंपनी की ओर से प्रभावित किसानों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। बैंक, इंश्योरेंस कंपनी के पास उन किसानों की सूची उपलब्ध रहेगा, जिन्होंने प्रीमियम राशि देकर बीमा कराया है। व्यक्तिगत खेत आधार पर स्थानीय आपदाएं ओलावृष्टि,, बादल फटना और प्राकृतिक आकाशीय बिजली के कारण खड़ी फसल को नुकसान, फसल कटाई के बाद नुकसान जैसे ओला, चक्रवात, चक्रवाती, बेमौसम वर्षा के कारण खेत में कटी और सुखाने के लिए फैली हुई नुकसान का आंकलन होता है।

राइट टू डिस्कनेक्ट...

की पैरवी करता है। लोकसभा में एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को ऑफिस समय के बाहर काम से जुड़े फोन कॉल और ईमेल का जवाब देने से छूट देना है। लोकसभा और राज्यसभा- दोनों सदनों के सदस्य ऐसे मुद्दों पर प्राइवेट मेंबर बिल ला सकते हैं, जिन पर वे महसूस करते हैं कि सरकार को कानून बनाना चाहिए। हालांकि अधिकतर मामलों में सरकार की प्रतिक्रिया के बाद ये बिल वापस ले लिए जाते हैं। एनसीपी की सांसद सुप्रिया सुले ने 'राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025' पेश किया। यह बिल कर्मचारियों के लिए वेलफेयर अथॉरिटी बनाने और हर कर्मचारी को ऑफिस समय के बाद और छुट्टियों के दौरान काम से जुड़े कॉल और ईमेल से पूरी तरह दूर रहने का अधिकार देने का प्रस्ताव करता है। इसमें ऐसे कॉल या ईमेल का जवाब न देने का अधिकार भी शामिल है। सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा, इस बिल का उद्देश्य लोगों को बेहतर क्वालिटी ऑफ लाइफ और स्वस्थ वर्क-लाइफ बैलेंस देना है, ताकि आज के डिजिटल कल्चर से पैदा होने वाले बर्नआउट को कम किया जा सके। सुले ने तर्क दिया कि डिजिटल और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी जहां काम को फ्लेक्सिबल बनाती है, वहीं यह पर्सनल और प्रोफेश्नल जीवन की सीमाओं को धुंधला करने का बड़ा खतरा भी पैदा करती है।

पत्रकारों की सुरक्षा के लिए बिल पेशः निर्दलीय सांसद विशालदादा प्रकाशबापू पाटिल ने 'जर्नलिस्ट (प्रिवेंशन ऑफ वायलेंस एंड प्रोटेक्शन) बिल, 2024' पेश किया। यह बिल पत्रकारों के खिलाफ हिंसा रोकने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनकी संपत्ति की रक्षा के लिए आवश्यक प्रावधानों का प्रस्ताव करता है।

'परीक्षा पे चर्चा' के...

व जीवन का एक अभिन्न अंग मानने के लिए उनके साथ जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों के चयन के लिए 'माइजीओवी' पोर्टल पर एक दिसंबर 2025 से 11 जनवरी 2026 तक बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि कक्षा छठी से 12वीं तक के छात्र, शिक्षक और अभिभावक इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

परीक्षा पे चर्चा का आठवां संस्करण 10 फरवरी 2025 को प्रसारित किया गया था। यह चर्चा नयी दिल्ली के सुंदर नर्सरी में एक नए और अभिनव प्रारूप में आयोजित की गई जिसमें प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के 36 छात्र शामिल हुए जिनमें सरकारी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, सैनिक स्कूल, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, सीबीएसई से संबध स्कूल और नवोदय विद्यालय शामिल थे। इस संस्करण में खेल एवं अनुशासन और मानसिक स्वास्थ्य से लेकर पोषण, प्रौद्योगिकी एवं वित्त तथा रचनात्मकता एवं सकारात्मकता तक, सात अलग-अलग एपिसोड भी शामिल थे जिनमें प्रसिद्ध हस्तियों के प्रेरक विचार प्रस्तुत किए गए।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital, Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियालिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्कः 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- आथोराइज्ड सर्विस सेन्टर में टैली बिजी अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर दो लड़के, ऑनलाइन कालिंग हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अमन इलेक्ट्रॉनिक्स पुराना सरकंडा बिलासपुर 93038 91231, 9111000631, 07752404896 (39341)

आवश्यकता है- बंगाल स्वीट्स में मैनेजर+ कैशियर एवं सेल्समैन की आवश्यकता है कार्य समय 12घंटे, वेतन 8000 से 10000 अनुभवी उम्मीदवार ही सम्पर्क करें- सत्यम चौक के पास लिंक रोड बिलासपुर 9343335328 (39333)

आवश्यकता है- कांट्रेक्टर फॉर्म बिलासपुर में मैकेनिकल, टेक्नीकल इंजीनियर या जानकार (क्रेशर- पुंजलोना, टेरेक्स) हाइवा, एक्सेवटर, लोडर के मैन्टेन्स हेतु अनुभवी युवक चाहिए (समय 11 से 7बजे) सैलरी- योग्यतानुसार सम्पर्क करें- 9203390737 (39340)

आवश्यकता है- फर्नीचर दुकान में कार्य करने हेतु सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार कार्य समय सुबह 9:30 बजे से रात 9बजे तक सम्पर्क करें- विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज 27खोली चौक बिलासपुर 9827168412 (39336)

आवश्यकता है- एक समाज सेवी संस्था तिफरा बिलासपुर में पुरूष कर्मचारियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन 7000 से 8000 इच्छुक व्यक्ति 8103631312 पर रिज्यूम वाट्सअप करें। आपको कॉल किया जावेगा। (39315)

आवश्यकता है- DJ शोरूम में कार्य हेतु चार लड़के चाहिए। आकर्षक वेतन 8000 से 10000 योग्यता अनुसार। फ्रेशर और अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- कपूर चन्द & सन्स सदर बाजार, करोना चौक, बिलासपुर 9685005500 (39335)

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट में काम करने के लिए इंडियन और तन्दूर मिस्त्री, किचन हेल्पर, वेटर लेडीज जेंट्स दोनों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- साँझा चूल्हा महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 83193 44041 (39338)

आवश्यकता है- शहर के प्रतिष्ठित संस्थान द कॉस्मे केयर में क्लीनिकल असिस्टेंट- 2(m/f), नर्सिंग स्टॉफ- 2(m/f), आफिस फ्रंट डेस्क- 2(m/f) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जरहाभाठा मन्दिर चौक मेन रोड बिलासपुर 9753808436 (39325)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड सिक्युरिटी सुपरवाइजर गनमैन फिल्ड ऑफिसर कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000-20000, आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जे.जे. हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 80852 33213, 8253010291, 8889 997826 (39295)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर शिक्षक/ शिक्षिका, CBSE 3rd बालक घर/ कोचिंग पढ़ाने हेतु फिल्ड वर्क चाहिए वेतन योग्यतानुसार 10000+ कमीशन। अटल चौक बहतराई स्टेडियम बिलासपुर पार्ट/ फुल टाइम, टाइमपास ना। जरूरतमंद कॉल- 62623 54545 (39344)

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है। रूम, बिजली की सुविधा फ्री। पता बंजारी मन्दिर के पास रावाभाटा रायपुर 78287 35534 (39331)

आवश्यकता है- होलसेल दवा दुकान में काम करने हेतु Diploma in Pharmacy पास लड़को की आवश्यकता है सैलेरी योग्यता अनुसार अपना बायोडाटा मोबाइल नम्बर पर व्हाट्सएप करें- 79999 34599 (39319)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल जमाने, निकालने छोड़ने हेतु पार्ट टाइम लड़के लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- प्रीमियर एजेन्सीज मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (39329)

आवश्यकता है- सिविल साइट इंजीनियर, सुपरवाइजर (ऑटोकैड, स्ट्रक्चरल अनुभवी साइट चलाने योग्य) एवं ऑफिस, साइट, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्शन नामांतरण, निगम संबंधी कार्यों हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क करें- 9770770000, 9827072000 (39304)

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी परमानेंट बेसिस पर सीधी पक्की भर्ती, 6230 सीट पद - वनरक्षक, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, वन रेंजर सैलरी - 28500- 38500/- 10वी- 12वी पास लड़के लड़कियां आवेदन के लिए- आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो मार्क शीट व्हाट्सएप / कॉल करें - 9685327774 (1254)

आवश्यकता है- एकाउंटेंट की आवश्यकता है, ऑफिस में कार्य करने का अनुभव हो, हिन्दी अंग्रेजी टाइपिंग का ज्ञान हो। सम्पर्क करें- एसपी चतुर्वेदी 9993087654 (39317)

आवश्यकता है- ड्राईवर की आवश्यकता है। लाईसेंस अनिवार्य है। आटोमैटीक व मैनूवल गाड़ी चालाना जनता हो 5 साल से अधिक अनुभव वाले ही सम्पर्क करें- मिनोचा कॉलोनी के पास बिलासपुर 7024691300 (39320)

आवश्यकता है- इनोवा हेतु अनुभवी, नशामुक्त ड्राइवर चाहिए। रहने की सुविधा, पत्नी घरेलू कार्य की इच्छुक हो। लाइसेन्स, फोटो, बायोडाटा सहित मिलें- एसपी चतुर्वेदी फ़्लैट नं-801, घनश्याम होम्स, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर (39316)

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट में तन्दूर रोटी कारीगर, मार्केटिंग स्टोर हेतु युवक (स्वयं का वाहन अनिवार्य)वेटर, हेल्पर लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है खाना रहना फ्री सम्पर्क करें- मुर्ग मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलासपुर 78791 21999 (39318)

आवश्यकता है- रोड कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु सिविल इंजीनियर एवं रोड सुपरवाईजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार स्थान बिलासपुर सम्पर्क करें- 9243530500 (39310)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 30 वर्ष तक सैलरी 5000 +कमीशन +बोनस संपर्क करें नेहरू नगर नियर श्रीराम केयर हॉस्पिटल के पास बिलासपुर छ.ग. संपर्कः- 8085240520 (407)

आवश्यकता है- कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें- रूपवर्षा, गोल बाजार सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (39322)

आवश्यकता है- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- निविदा कार्य कंप्यूटर ऑपरेटर 3 15000 सुरक्षा गार्ड 56 वेतन 10000, 13000/- योग्यतानुसार (आवास फ्री) संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, FF-6 जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर, 7747000019, 77470 00016, 7746000016, 7746000019 (348)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य एवं टेलीकॉलिंग हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18-28, वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15-20 हजार प्रतिमाह, रहना फ्री सम्पर्क करें- 78701 92397, 779688012 (385)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 30 वर्ष तक सैलरी 5000 +कमीशन +बोनस संपर्क करें- शारदा नगर मैग्नेटो मॉल साईं मंदिर के पास बिलासपुर छ.ग. संपर्कः- 7471103268 (408)

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता 10वी 12वी स्नातक वेतन -12000 रहना खाना फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना 88714 22576, 9981576163 (515)

आवश्यकता है-पेन, पेन्सिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9631470837 (757)

बेचना है

बेचना है-परसदा (सकरी) कोटा मोड़ दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से लगे सर्व सुविधा युक्त 2BHK मकान 26लाख एवं 3BHK मकान 27लाख में उपलब्ध हैं। बुकिंग कराने हेतु सम्पर्क करें- 98842 61185, 9827404638 (39217)

बेचना है- 150 फुट का फ्रंट 95 डिसमिल जमीन सरगांव में रायपुर बिलासपुर मेन रोड से एक किलोमीटर अन्दर दरसा रोड में बेचना है। 22 लाख चूकता सम्पर्क करें- अमितराज गुप्ता 9300833924 (39326)

बेचना है- भाटिया रेजिडेंसी मंगला चौक के पास दूसरी मंजिल मे तीन बैडरूम हाल किचन दो लेटबाथ तीन बॉलकनी सहित सर्व सुविधा युक्त फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 8839422720, 88274 05230 (39339)

बेचना है- नेहरू चौक से 400 मीटर दूर स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी में 2160 वर्गफुट जमीन पर 1361 वर्गफुट में बना मकान (कीमत 75 लाख) शीघ्र बेचना है। खरीददार ही सम्पर्क करें- 7648017211 (39342)

बेचना है- गंगा नगर, अमन विहार चड्डा बाड़ी और बीएन सिटी के पास डायवर्टेड प्लाट एवं मकान रेडी पजेशन में बेचना है। सम्पर्क करें- 9827157523, 7898318935 (39328)

बेचना है- घर बेचना है तार बाहर, इन्दिरा कॉलोनी, आटा चक्की, शीतला मन्दिर के पीछे 1970 वर्गफीट में बना मकान बेचना है कीमत 57 लाख, सम्पर्क करें- 9109232335 (39343)

बेचना है- भारतीय नगर एल-1 में टोटल 1680 वर्गफुट में बना सर्व सुविधा युक्त डबल स्टोरी मकान अतिशीघ्र बेचना है कीमत 75लाख सम्पर्क करें- 8251925145 (39324)

वाहन बेचना है

वाहन बेचना है- बजाज कम्पनी का इलेक्ट्रीक माल लोडिंग ऑटो अच्छी न्यू रनिंग कंडीशन में बेचना है खरीदे हुए मात्र तीन महीना हुआ है। सम्पर्क करें- 9893883355, 7648015715 (39337)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
बंगाली कायस्थ 33 वर्ष, हाइट 5'-7" एक प्रतिष्ठित कम्पनी (कोका कोला) नागपुर में कार्यरत हेतु सुयोग्य सुन्दर शिक्षित बंगाली कायस्थ वधु चाहिए
-:सम्पर्क करें:-
9530167919
9826413593
9165762781
9755413048

किराया

किराया- शहर के मध्य मिशन अस्पताल के सामने लखीराम ऑडिटोरियम रोड में स्थित 2BHK प्रथम तल का मकान किराये से देना है शासकीय कर्मचारी, परिवार वालों को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9770117329 (39334)

किराया- बिलासपुर में 27 खोली में गुरुद्वारा के सामने 2 बीएचके प्रथम तल पर किराए से देना है जॉब वाले ही सम्पर्क करें- 9752079958 (39330)

फायनेंस- विजया फाइनेंस कंपनी द्वारा सभी प्रकार के लोन आधारकार्ड लोन, बिजनेस, पर्सनल, होम, कृषि, महिला ग्रुप लोन, 40% छूट, आसानी से घर बैठे लोन, 2% ब्याज दर पर संपर्कः- 7750826959, 9424164185 (409)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

तीसरा वनडे

टीम इंडिया ने दिखाया दम, 61 गेंदों के शेष रहते जीता आखिरी वनडे, सीरीज की अपने नाम

जायसवाल और रोहित ने की 155 रनों की अटूट साझेदारी

एजेंसी ▶▶| विशाखापत्तनम

भारत ने तीसरे वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हरा दिया। यशस्वी जायसवाल ने अपने करियर का पहला शतक लगाया, वहीं रोहित शर्मा और विराट कोहली ने भी फिफ्टी लगाई। इस मैच को जीतकर भारतीय टीम ने सीरीज पर 2-1 से कब्जा जमा लिया है। विशाखापट्टनम में खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम 270 रनों पर सिमट गई थी। जवाब में टीम इंडिया ने 61 गेंद रहते 9 विकेट से यह मैच जीत लिया। 271 रनों के लक्ष्य का पीछा करने आई टीम इंडिया को रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने शानदार शुरुआत दिलाई। सीरीज के पिछले 2 मैचों में जायसवाल सिर्फ 40 रन बना पाए थे। दबाव में रहकर उन्होंने 75 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ 155 रन की सलामी साझेदारी की। जायसवाल इस मैच में 121 गेंद में 116 रन बनाकर नाबाद लौटे। इस पारी में उन्होंने 12 चौके और 2 छक्के लगाए। जायसवाल अब ऐसे छठे भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं, जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है।

डिकॉक ने लगाया शतक, कई दिग्गजों को पछाड़ा

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने भारत के खिलाफ विशाखापत्तनम वनडे में शतक लगाया। उन्होंने 89 गेंद में आठ चौकों व छह छक्कों से 106 रन की पारी खेली। डिकॉक ने वनडे मे 23वीं बार सैकड़ा लगाया। उन्होंने इस पारी के जरिए इतिहास रचा और कई दिग्गजों को पछाड़ दिया। डिकॉक विशाखापत्तनम में शतक के जरिए भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने श्रीलंका के सनत जयसूर्या की बराबरी की। इन दोनों ने भारत के खिलाफ सात-सात वनडे शतक लगा रखे हैं। डिकॉक ने भारत में मेहमान बल्लेबाज के रूप में सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने के मामले में डिविलियर्स की बराबरी की। दोनों के नाम यहां पर सात-सात शतक हैं।

भारत ने 3 कप्तान और 20 वनडे बाद जीता टॉस, केएल राहुल ने तोड़ा जिंक्स

भारतीय क्रिकेट टीम ने वनडे फॉर्मेट में आखिरकार टॉस जीत लिया। साउथ अफ्रीका के साथ आखिरी वनडे मुकाबले में केएल राहुल के पक्ष में सिक्का गिरा। टेम्बा बवुमा ने विशाखापत्तनम वनडे में हेड कहा लेकिन टेल आया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने 20 वनडे बाद टॉस जीता है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इससे पहले के दो वनडे में टीम इंडिया टॉस नहीं जीत सकी थी।

भारत ने विशाखापत्तनम वनडे से पहले इस फॉर्मेट में लगातार सबसे ज्यादा टॉस हारने का अनचाहा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। भारत ने वनडे क्रिकेट में आखिरी बार 2023 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में टॉस जीता था। तब रोहित शर्मा टीम इंडिया के कप्तान थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेले गए मुकाबले में टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला किया था। इसके बाद से भारतीय टीम वनडे में टॉस नहीं जीत सकी। इस दौरान रोहित के अलावा शुभमन गिल और राहुल ने भी कप्तानी संभाली। रोहित ने 20 में से 12 मैच में कप्तानी की थी तो शुभमन ने तीन वनडे में नेतृत्व किया। राहुल ने पांच वनडे में कप्तानी की थी। उन्होंने इस अवधि में कप्तान के रूप में अपने छठे वनडे में टॉस हारने के सिलसिले को खत्म किया।

गिल की वापसी, द.अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगे टी20

एजेंसी ▶▶| कटक

भारत की टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। तब उनकी गर्दन में अकड़न आ गई थी लेकिन अब उन्होंने सफलतापूर्वक रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है। गिल को फिटनेस के आधार पर टीम में चुना गया था और उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए रिहैबिलिटेशन से जुड़े सारे प्रोटोकॉल से गुजरना पड़ा। सीओई की ओर से टीम प्रबंधन की खेल विज्ञान एवं चिकित्सा (एसएसएम) टीम को भेजे गए पत्र में कहा गया है, 'शुभमन गिल ने सीओई में अपना रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। उन्होंने खेल के सभी प्रारुपों के लिए फिट घोषित होने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा कर लिया है।'' इस टीम में फिजियो कमलेश जैन, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच एड्रियन ली रॉ और खेल चिकित्सक डॉ. चार्ल्स शामिल हैं।

जस्टिन का दोहरा शतक वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के जबड़े से छीनी जीत, मैच ड्रा

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

जस्टिन ग्रीव्स ने अपने कौशल और धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए नाबाद 202 रन बनाए और केमार रोच के सातवें विकेट के लिए 180 रन की अटूट साझेदारी की, जिससे वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के कमजोर आक्रमण की चुनौती को ध्वस्त करते हुए पहला टेस्ट ड्रॉ करा दिया।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 531 रन का मुश्किल लक्ष्य रखा था। वेस्टइंडीज ने अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 457 रन का स्कोर बनाया, जो टेस्ट क्रिकेट के पांच तक सीमित होने के बाद चौथी पारी में सर्वोच्च स्कोर है। ओवरऑल यह चौथी पारी का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वेस्टइंडीज एक समय टेस्ट इतिहास में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने की तरफ बढ़ रहा था लेकिन मैच ड्रॉ कराकर भी उसने शानदार उपलब्धि हासिल की।

ग्रीव्स ने 9 घंटे 30 मिनट में लगाया दोहरा शतक

अपने टेस्ट करियर में पहली बार दोहरा शतक लगाने वाले ग्रीव्स ने लगभग नौ घंटे 30 मिनट तक बल्लेबाजी की। उन्होंने शाई होप (140) के साथ 196 रन की साझेदारी वेस्टइंडीज को चार विकेट पर 72 रन के स्कोर से उबारा। होप मैच के पांचवें और अंतिम दिन आउट होने वाले वेस्टइंडीज के दो बल्लेबाजों में से एक रहे। रोच ने अपने बल्लेबाजी कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 58 रन बनाए, जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने 233 गेंद का सामना किया। ग्रीव्स ने 388 गेंद का सामना करके 19 चौके लगाए। वह किसी टेस्ट मैच की चौथी पारी में दोहरा शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के चौथे और ओवरऑल सातवें बल्लेबाज बन गए हैं। ग्रीव्स ने मैच के बाद कहा, 'मेरा आखिर तक टिके रहना वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण था। यह मेरे लिए और टीम के लिए एक विशेष दिन है। हम काफ़ी मुश्किल दौर से गुजर रहे थे।' आक्रमण के अगुआ मैट हेनरी और ऑलराउंडर नाथन स्मिथ के चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड के पास केवल जैकब डफी और जैक फाउल्केस ही फिट तेज गेंदबाज थे, जिन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलने का बहुत अधिक अनुभव नहीं है।

डेजर्ट वाइपर्स ने अबूधाबी नाइट राइडर्स को दो विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| शारजाह

डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में अबूधाबी नाइट राइडर्स पर दो विकेट से रोमांचक जीत हासिल की।

नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 171 रन बनाए। उसकी तरफ से एलेक्स हेल्स ने 37 गेंदों पर तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 53 रन की पारी खेली। इनके अलावा आंद्रे रसेल ने 23 गेंद पर नाबाद 36 रन का योगदान दिया। वाइपर्स ने 19.3 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन बनाकर जीत हासिल की। उसकी तरफ से शिमरोन हेटमायर ने 25 गेंदों में 48 रन की शानदार पारी खेली जबकि खुजैमा तनवीर ने डेथ ओवरों में सिर्फ 12 गेंदों में 31 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल ने 5 साल में बदली हजारों जिंदगीयाँ

मरीजों की कहानी... मरीजों की जुबानी

6 साल के मासूम की जिंदगी बचाने वाला चमत्कार - करुणा श्री कैंसर अस्पताल के कारण मेरा बेटा आज मुस्कुरा रहा है

मैं नदीम खान का पिता हूँ। हम राजनंदगांव से है ,जिंदगी का सबसे बड़ा सदमा हमें तब लगा जब हमारे 6 साल के बेटे को मेडुलोब्लास्टोमा, जो की एक बेहद खतरनाक ब्रेन और स्पाइन ट्यूमर है का पता चला। ऑपरेशन के बाद उसके लिए डेढ़ महीने तक रोजाना रेडिएशन और कीमोथेरेपी जरूरी थी। इतनी छोटी उम्र में बच्चे का रोज़ एक ही स्थिति में स्थिर रहना लगभग नामुमकिन माना जाता है—इसलिए ज्यादातर बच्चों को बेहोश करके ही रेडिएशन दिया जाता है।लेकिन हमारे बच्चे की किस्मत में करुणाश्री अस्पताल और डॉ. प्रशांत जैसे डॉक्टर का आशीर्वाद लिखा था। डॉ. प्रशांत ने न सिर्फ हमें उम्मीद दी, बल्कि उस उम्मीद को हकीकत में बदला।उनकी विशेषज्ञता, धैर्य और बच्चों के प्रति उनकी संवेदनशीलता ने नदीम को इतना मजबूत बनाया किउसने पूरा रेडिएशन बिना बेहोशी के सफलतापूर्वक पूरा किया।

हर दिन, डेढ़ महीने तक एक छोटा बच्चा, पूरी हिम्मत के साथ—और उसके साथ खड़ी करुणाश्री की समर्पित टीम।

आज इस उपचार को 2 साल हो चुके हैं।

नदीम बिल्कुल स्वस्थ है—स्कूल जाता है, खेलता है और अपने बचपन का हर पल जी रहा है।हमारे परिवार को नई ज़िंदगी मिल चुकी है

छोटा घाव, मेरी लापरवाही से बना बड़ा कैंसर - लेकिन मैंने कैंसर को हराया

मैं तरुण कुमार हूँ, जांजगीर-चांपा का रहने वाला।शुरुआत में मुंह में सिर्फ एक छोटा घाव था।सोचा—छोटा सा है, ठीक हो जाएगा।

लेकिन यह सोच मेरी जिंदगी के लिए खतरा बन गई।बायोप्सी में पता चला—कैंसर है, लेकिन मैंने फिर भी वैकल्पिक इलाज पर भरोसा किया। जिससे मेरी तबीयत बहुत बिगड़ गई और वह घाव अब स्टेज-3 कैंसर बन चुका था।मेरी आर्थिक स्थिति कमजोर है किसी ने मुझे करुणाश्री कैंसर हॉस्पिटल के बारे में बताया जहाँ डॉ. प्रशांत और उनकी टीम ने मेरी पूरी सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन को सफलतापूर्वक पूरा किया।सभी इलाज आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निशुल्क हुआ।

आज, एक साल बाद, मैं पूरी तरह स्वस्थ हूँ।काम कर रहा हूँ, परिवार के साथ समय बिता रहा हूँ, और हर दिन इस नई जिंदगी का आनंद ले रहा हूँ।

मैं कहना चाऊँगा की छोटी चूक बड़ी बीमारी में बदल सकती है,इसलिए लापरवाही ना करें। सही समय पर विशेषज्ञ उपचार और भरोसेमंद टीम हर मुश्किल को पार कर सकती है।

मौत के मुंह से वापस लौटा - ब्रेन ट्यूमर के चौथे स्टेज को हराकर मिली मुझे नई जिंदगी

मेरा नाम पुरूषोत्तम रजवाड़े है। वर्ष 2020-21 में मेरी जिंदगी अचानक बदल गई, जब मुझे फोर्थ स्टेज ब्रेन ट्यूमर होने का पता चला। डॉक्टरों ने साफ कहा था कि मेरे पास ज्यादा समय नहीं है—मैंने हिम्मत खो दी थी पर डॉ प्रशांत ने मुझे हौसला दिया जिससे मेरी खोयी हिम्मत वापस आई और मैं ऑपरेशन के लिए तैयार हो गया।

फिर मैंने कीमोथेरेपी सहित पूरा आगे का इलाज यहाँ करवाया। यह मेरे लिए बड़ी राहत थी कि मेरा संपूर्ण उपचार आयुष्मान कार्ड के माध्यम से सफलतापूर्वक पूरा हुआ, क्योंकि इतनी बड़ी बीमारी में आर्थिक चिंता भी भारी बोझ बन जाती है। आज, पूरे 5 साल बाद, मैं बिल्कुल स्वस्थ हूँ, नियमित जीवन जी रहा हूँ, काम कर रहा हूँ और आगे बढ़ रहा हूँ। मुझे देखकर कोई नहीं सोच सकता कि मैं कभी इतनी गंभीर अवस्था में था। मेरी यह यात्रा सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए आशा का संदेश है जो बड़ी बीमारी से लड़ रहे हैं।

सही इलाज, समय पर देखभाल और अटूट मनोबल—इनसे कोई भी असंभव लड़ाई जीती जा सकती है। मैं डॉ प्रशांत और पूरी करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल टीम का जीवन भर आभारी रहूँगा।

डॉ. प्रशांत कसेर
कैंसर एवं कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
मेडिकल डायरेक्टर

कैंसर उपचार में नई उम्मीद का केंद्र:

करूणा, तकनीक और भरोसे के 5 साल में करूणा श्री कैंसर हॉस्पिटल नें हजारों जिंदगीयाँ बदली हाल के महीनों में इस अस्पताल ने कई ऐसे मामलों को सफलतापूर्वक संभाला है, जिन्हें सामान्यत: बेहद जटिल, जोखिमपूर्ण और कठिन माना जाता है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि इन सभी मरीजों का पूरा इलाज आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम से निशुल्क किया गया,

"पैसे की कमी के कारण कोई भी कैंसर मरीज इलाज से वंचित न रहे" — यह करुणाश्री कैंसर हॉस्पिटल का प्रमुख विज़न है।

- महिलाओं के लिए विशेष सुविधा
- महिला स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए डॉ. नीलम लदेर द्वारा
- विशेष महिला कैंसर ओपीडी
- महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग कैंप

डॉ. नीलम लदेर
कैंसर एवं कीमोथेरेपी विशेषज्ञ
डायरेक्टर

अवॉर्ड और सम्मान

करुणाश्री कैंसर हॉस्पिटल को अब तक कई महत्वपूर्ण सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

जिला प्रशासन रायपुर द्वारा करुणा श्री हॉस्पिटल को प्रशस्ति-पत्र

6 वर्ष – आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और 3 वर्ष – आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के सफलता पूर्वक पूर्ण होने पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथाशहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजनाअंतर्गत वर्ष 2023-24 में प्रदत्त सेवाओं हेतुउल्लेखनीय उपलब्धि, उत्कृष्ट कार्य, सतत सेवा भावना एवंजन-स्वास्थ्य को समर्पित विशिष्ट योगदान के लिए यह प्रशस्ति-पत्र जिला प्रशासन रायपुर द्वारा प्रदान किया गया है।

विशेष बात-चीत में डॉ. प्रशांत कसेर ने बताया की कैसे 70 वर्षीय मरीज में लिंफोमा का सफल उपचार सिर्फ कीमोथेरेपी से किया गया

एक 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज को नॉन-हॉजकिन्स लिंफोमा डायग्नोस हुआ था, जिसमें शरीर केगले, कांख, गर्दन, पेट और जांघों में बड़े-बड़े लिंफ नोड्स विकसित हो गए थे।अस्पताल में दी गई कीमोथेरेपी से सभी गांठें पूरी तरह गायब हो गई।आज वह बुजुर्ग स्वस्थ जीवन जी रहे हैं और नियमित फॉलो-अप में हैं।

डॉ. नीलम लदेर का कहना है कि - बिना सर्जरी भी संभव है गर्भाशय एवं मुख कैंसर का इलाज

डॉक्टर नीलम लदेर ने बताया कि आम लोगों में यह गलतफहमी है कि बच्चेदानी या उसके मुख के कैंसर में सर्जरी ही एकमात्र समाधान है।वास्तविकता यह है कि:

स्टेज-2 और स्टेज-3 में इलाज मुख्य रूप से रेडिएशन और कीमोथेरेपी से ही किया जाता है, और ये दोनों ही तरीके बेहद प्रभावी साबित हुए हैं।

कैंसर के बाद भी जिंदगी जीने का हुनर सिखाते हैं :- डॉ. शैलेन्द्र देवांगन

ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी और अन्य इलाज के बाद मरीजों को हाथों की सूजन, दर्द और कमजोरी से राहत दिलाते हैं। सही फिजियोथेरेपी, व्यायाम और मूवमेंट थेरेपी से मरीज फिर से सक्रिय और आत्मनिर्भर बनते हैं। उनकी देखभाल से मरीज न केवल स्वस्थ होते हैं, बल्कि अपनी जीवन की गुणवत्ता भी पूरी तरह वापस पाते हैं।

डॉ. शैलेन्द्र देवांगन
ऑनको-फिजियोथेरेपिस्ट

पता : करूणा श्री कैंसर हॉस्पिटल, अरबिंदो नेत्रालय के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर
मो.: 6232143778, 07714280003

मरीजों की कहानी... मरीजों की जुबानी

रायपुर की बेटी ने सरकारी अस्पताल के जाल को छोड़ा, करुणाश्री में दूसरे ही दिन मिली नई जिंदगी

मैं प्रतिमा , रायपुर की रहने वाली हूँ। ब्रेस्ट कैंसर ने मेरी जिंदगी में अंधेरा फैला दिया था। शुरुआत में मैं सरकारी अस्पताल में एक से दो महीने तक भटकती रही, लेकिन वहां न सही मार्गदर्शन मिला, न समय पर इलाज। इस दौरान मेरी बीमारी लगातार बढ़ती रही, और हर दिन डर बढ़ता गया।

तब मुझे डॉ नीलम लदेर करुणाश्री हॉस्पिटल के बारे में पता चला। अस्पताल पहुँचने के दूसरे ही दिन मेरा ऑपरेशन कर दिया गया, जिससे बहुमूल्य समय बचा और मेरी जिंदगी की नई राह शुरू हुई।

मेरे पूरे इलाज—सर्जरी से लेकर कीमोथेरेपी तक—को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निशुल्क किया गया।आज मैं तेजी से स्वस्थ हो रही हूँ और हर दिन उम्मीद और खुशियों के साथ जी रही हूँ।

मैंने अब समझा की सही समय में सही इलाज और सहीं अस्पताल पहुँचना कितना जरूरी है।

हड्डियों तक फैल चुके कैंसर को हराया - राहुल कुमार सिंह की ज़िंदगी फिर से मिली

बिलासपुर के राहुल कुमार सिंह जब सुने कि उनका प्रोस्टेट कैंसर हड्डियों तक फैल चुका है, तो डर और अनिश्चितता ने उन्हें घेर लिया। लेकिन करुणाश्री हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया और सर्जरी, हार्मोनल थेरेपी और रेडिएशन के साथ उन्हें नई जिंदगी दी।आज राहुल पूरी तरह स्वस्थ हैं। वे नियमित फॉलो-अप कर रहे हैं, हर तीन महीने में बिलासपुर से अस्पताल आकर टेस्ट, इमेजिंग स्कैन और रक्त परीक्षण करवा रहे हैं।

हर फॉलो-अप में उनकी रिपोर्ट्स लगातार सामान्य आ रही हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कैंसर पर उनकी जीत स्थायी है।

राहुल कहते हैं, फॉलो-अप सिर्फ रिपोर्ट देखने का नाम नहीं है, बल्कि यह मेरी नई जिंदगी की सुरक्षा का तरीका है। डॉक्टरों की सलाह मानकर और अपनी दवा और जीवनशैली को अनुशासित रखकर मैंने यह सुनिश्चित किया कि कैंसर दोबारा न लौटे। यही अनुशासन और समय पर देखभाल किसी भी मरीज के लिए जीवन रक्षक हो सकता है।

कैंसर को मात देकर अब दूसरों की जिंदगी बचा रहा हूँ - हीरिया टंडन

मैं हीरिया टंडन, कवर्धा जिले का रहने वाला, मुंह के कैंसर यानी ओरोफ़ैरिंजियल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। शुरुआती लक्षण—मुंह में घाव, दांतों में दर्द और खाने में कठिनाई—मैंने हल्के में लिया।शुरुआत में ही मुझे करुणाश्री हॉस्पिटल के बारे में पता चला और मैं तुरंत अस्पताल पहुँचा। यहाँ डॉ. प्रशांत कसेर और उनकी टीम ने मेरा पूरी तरह मेडिकल मूल्यांकन किया—बायोप्सी, इमेजिंग और स्टेजिंग। उनके मार्गदर्शन में मेरी सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन शुरू हुई, और यह सब आयुष्मान कार्ड के माध्यम से निशुल्क हुआ।

यह प्रक्रिया लंबी और चुनौतीपूर्ण थी। सर्जरी में कैंसर टिशू को पूरी तरह हटाना था, कीमोथेरेपी में शरीर पर प्रभाव पड़ता है और रेडिएशन से आसपास के स्वस्थ टिशू को सुरक्षित रखना चुनौती थी।लेकिन अस्पताल की टीम और परिवार के सहयोग से यह पूरी तरह सफल रही। आज, 5 साल बाद, मैं पूरी तरह स्वस्थ हूँ।अब मैं अपने अनुभव को समाज की सेवा में लगा रहा हूँ—कैंसर मरीजों को जागरूक करना, उनका मनोबल बढ़ाना और सही उपचार की जानकारी देना।मुझे समझ में आया कि कैंसर सिर्फ शारीरिक लड़ाई नहीं, बल्कि मानसिक और समय पर उपचार की लड़ाई भी है। मेरा मानना है जीवन का दूसरा अवसर सिर्फ खुद के लिए नहीं है बल्कि दूसरों के लिए भी भी है और समाज के प्रति फ़र्ज़ को अब मुझे पूरा करना है।

भारत की ऐसी रहस्यमयी झील, जो दिन में कई बार बदलती है पानी का रंग

भारत में कई ऐसी जगह हैं, जो देश और विदेश के पर्यटकों को खूब पसंद आती है। भारत में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक प्राकृतिक सुंदरता दिखाई देती है। इनमें हिमाचल प्रदेश का दुर्गम जिला लाहौल-स्पीती भी शामिल है। यहां की प्राकृतिक सुदरता देखने के लिए हर साल हजारों पर्यटक आते हैं। पर्यटकों को खूबसूरत वादियां, ग्लेशियर और ऊंचे पहाड़ अपनी तरफ आकर्षित करते हैं। यहां की बेहद खूबसूरत झीलें सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र हैं।

14100 फीट की ऊंचाई पर स्थित है द मून लेक

माना जाता है कि यहां पर स्थित चंद्रताल झील बेस्ट कैम्पिंग साइट है। यहां आकर पर्यटक अपने आपको प्रकृति के बेहद करीब महसूस करते हैं। इस झील को द मून लेक के नाम से भी जाना जाता है। दुनिया की सबसे खूबसूरत झीलों में शुमार चंद्रताल लेक समुद्रतल से 14100 फीट की उंचाई पर स्थित है। सर्दी के मौसम की शुरुआत होते ही यहां पर बर्फबारी का सिलसिला शुरू हो जाता है जिसकी वजह से यह स्थान तीन से चार महीने तक के लिए बंद कर दिया जाता है।

मीठे पानी के नाम से भी जानी जाती है यह झील

इस झील के पानी के बारे में जानेंगे तो आप हैरान हो जाएंगे। इस झील की खासियत है कि इसका पानी दिन में तीन बार अपना रंग बदलता है। इस झील को 'मीठे पानी की झील' के नाम से भी जाना जाता है। यह झील लाहौल-स्पीति के स्थानीय लोगों के लिए धार्मिक महत्व भी रखती है।

अर्धचंद्र आकार की है यह चांदी की झील

यह झील स्पीति और कुल्लू घाटी से कुछ ही दूरी स्थित है। यह एक टापू पर है जिसकी वजह से अर्धचंद्र की तरह दिखाई देती है जिसकी वजह से लोग इसे द मून लेक यानी चांदी की झील भी कहते हैं। इस झील का पानी इतना साफ है कि शीशे की तरह चमकता है। कहा जाता है कि झील का यह क्षेत्र कभी स्पीति और कुल्लू जाने वाले तिब्बत और लद्दाख के व्यापारियों का महत्वपूर्ण स्थान था। अब यह झील पूरी दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

सुरंग

जमीन के 8040 फीट नीचे दुनिया की सबसे लंबी रेल सुरंग

57 किमी तक अंधेरे में दौड़ती ट्रेन, 17 साल में बनी, 106346 करोड़ हुए

स्विट्जरलैंड। जमीन पर फर्राटे से दौड़ती ट्रेन तो देखा होगा, हवा में झूलते पुल से गुजरती ट्रेन भी देखी होंगी। समंदर पर दौड़ते रेल का सफर भी किया होगा और ट्रेन के सुरंग के अंधेरे में गुम होने पर तालियां भी बजाई होंगी, लेकिन आज एक ऐसे सफर पर ले जा रहे हैं, जहां ट्रेन जब टनल में घुसती है तो 57 किमी की सफर तय करने के बाद ही निकल पाती है। हम बात कर रहे हैं दुनिया की सबसे लंबी और सबसे गहरी रेल सुरंग स्विट्जरलैंड की गॉटार्ड रेल टनल की।

ढाई हजार से ज्यादा मजदूरों ने किया 17 साल काम

स्विटजरलैंड का गॉटार्ड बेस टनल दुनिया का सबसे लंबा और सबसे गहरा रेल टनल है। ये सुरंग इतना लंबा और गहरा है कि इसे बनाने में 17 साल लग गए। 2400 से 2600 से अधिक मजदूरों ने दिन-रात काम कर इस रेल सुरंग को साल 2016 में तैयार कर दिया।

तीन करोड़ से ज्यादा निकालीं चट्टानें, जोड़ती है उत्तरी-दक्षिणी यूरोप को

यह रेल सुरंग स्विस आल्प्स के नीचे से होकर गुजरती है और उत्तरी और दक्षिणी यूरोप को जोड़ने का काम करती है। इस सुरंग की वजह से ज्यूरिख से मिलान का सफर महज 3 घंटे हो जाता है, जिसे पहले 5 से साढ़े 5 घंटे लगते थे। इस सुरंग को बनाना आसान नहीं था। इसे बनाने में 3.1 करोड़ चट्टानों को निकालना पड़ा।

दुनिया का सबसे गहरी रेल टनल , बनाने में कितना खर्च

गॉटार्ड बेस टनल सिर्फ सबसे लंबा ही नहीं बल्कि सबसे गहरा रेल सुरंग है, जो 2450 मीटर (8,040 फीट) गहराई से होकर गुजरती है। इस टनल को बनाने में 1250 करोड़ डॉलर यानी 10,63,46,11,58,400 रुपये का खर्च किया गया। टनल के अंदर गाड़ियों की रफ्तार 200 से 220 किमी प्रति घंटे की होती है। हर दिन 15000 से अधिक रेल पैसेंजर इस सुरंग को ट्रेन के जरिए पार करते हैं।

रोजाना 260 ट्रेनें करती हैं आवागमन

इस टनल से 65 यात्री ट्रेनों के अलावा रोजाना करीब 260 मालगाड़ियां भी गुजरती हैं। इस टनल से गुजरने वाली ट्रेनों की रफ्तार 250 किलोमीटर प्रति घंटे रहती है। गोथर्ड बेस सुरंग खासतौर पर माल परिवहन के लिए है। टनल न केवल ट्रेनों का समय बचाता है, बल्कि परिवहन के खर्च को बचाता है। इस रेल लाइन के जरिए माल ढुलाई का खर्च को हो रहा है। प्रदूषण कम होने से पर्यावरण की सुरक्षा हो रही है।

हादसे के बाद हो गई थी बंद

साल 2023 में एक मालगाड़ी के हादसे की वजह से इस टनल को बंद कर दिया गया था। रेल हादसे के चलते टनल को बड़ा नुकसान हुआ था, जिसकी मरम्मत में एक साल का वक्त लग गया। साल 2024 में इसे वापस से खोल किया गया।

दुनिया के सबसे दुर्लभ नारंगी सांप जिसे देखकर आप भी कहेंगे- वाह...!

दुनिया में कुछ ऐसे दुर्लभ नारंगी रंग के सांप पाए जाते हैं, जो दिखने में बेहद खूबसूरत और अनोखे हैं। इनमें कोरल रेड कुकरी, अफ्रीकन बुश वाइपर, ऑरेंज-बैंडेड कोरल, ऑरेंज-कॉलर कीलबैक और गोल्डन ट्री स्नेक शामिल हैं। इनके रंग सिर्फ सुंदर नहीं, बल्कि सुरक्षा और शिकार की रणनीति भी हैं।

कोरल रेड कुकरी : कोरल रेड कुकरी दक्षिण एशिया का एक बेहद दुर्लभ सांप है, जिसका शरीर चमकदार नारंगी-लाल रंग का होता है। कभी इसे विलुप्त माना गया था, लेकिन भारत के दुधवा नेशनल पार्क में इसे दोबारा देखा गया। यह गैर विषैला सांप अपनी रंगत से जंगल में आसानी से छिप जाता है। इसकी चमकदार त्वचा इसे पेड़ों और झाड़ियों में लगभग अदृश्य बना देती है।

अफ्रीकन बुश वाइपर

अफ्रीकन बुश वाइपर मध्य और पूर्वी अफ्रीका के घने जंगलों में पाया जाता है। यह विषैला सांप पेड़ों और झाड़ियों में रहता है और अपनी खुरदुरी नारंगी स्केल्स से खुद को छिपा लेता है। यह रात में शिकार करता है और पक्षियों व छोटे जानवरों को पकड़ता है। हालांकि यह जहरीला है, मगर इंसानों से दूर रहना ही इसकी फितरत है।

ऑरेंज-कॉलर कीलबैक

हिमालय की तराई में पाया जाने वाला यह सांप अपने सिर के पीछे नारंगी कॉलर जैसी पट्टी के लिए मशहूर है। यह हल्का जहरीला होता है लेकिन इंसानों के लिए खतरा नहीं है। लगभग 83 सेंटीमीटर लंबा यह सांप ठंडे इलाकों के जंगलों में रहता है और छोटे जीव-जंतुओं को शिकार बनाता है।

गोल्डन ट्री स्नेक

गोल्डन ट्री स्नेक को अक्सर 'उड़ने वाला सांप' कहा जाता है क्योंकि यह एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक फिसलकर पहुंच सकता है। इसके शरीर पर हरे और काले रंग के बीच नारंगी या लाल धब्बे इसे बेहद सुंदर बनाते हैं।

दुर्लभ अंडे की हुई नीलामी, 273 करोड़ से ज्यादा रुपये में बिका

क्रिस्टीज, लंदन। आमतौर पर एक अंडा 6 से 10 रुपये का मिलता है, लेकिन बीती 2 दिसंबर को एक अंडा करोड़ों रुपये में बिका है। दरअसल, रूस के शाही परिवार का हीरा जड़ित क्रिस्टल फैबरगे अंडा लंदन की एक नीलामी में रिकॉर्ड 2.29 करोड़ पाउंड यानी करीब 273 करोड़ से ज्यादा रुपये में बिका। यह एक दुर्लभ अंडा है, जिसे जौहरी की सबसे खूबसूरत कृतियों में से एक माना जाता है।

कैसे बनाया गया था यह अंडा?

इस अंडे का डिजाइन सेंट पीटर्सबर्ग की आभूषण कंपनी की केवल दो महिला कारीगरों में से एक अल्मा थेरेसिया पिहल द्वारा तैयार किया गया था। इस अंडे को कीमती क्रिस्टल और गुलाब के आकार के हीरों के साथ-साथ प्लैटिनम से सजाया गया था, वहीं अंडा खोलने पर इसके अंदर सफेद क्वार्ट्ज फूलों की एक छोटी टोकरी दिखाई देती है। बता दें कि इससे पहले यही अंडा साल 2007 में 8.9 मिलियन पाउंड (106 करोड़ से ज्यादा रुपये) में बिका था।

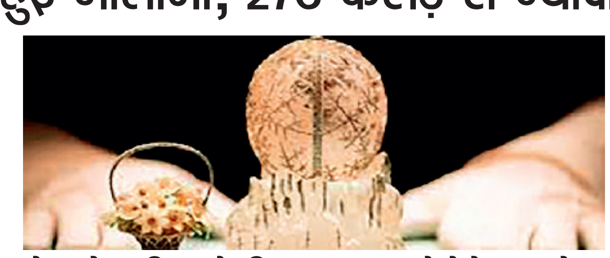

रोमानोव परिवार के लिए बनाए गए थे ऐसे 50 अंडे

फैबर्जे परिवार ने रूस के शाही रोमानोव परिवार के लिए केवल 50 अंडे बनाए थे, लेकिन उनमें से महज 7 अंडे ही निजी हाथों में हैं।बाकि अंडे या तो गायब हैं या संस्थानों और संग्रहालयों के स्वामित्व में हैं। क्रिस्टीज नीलामीघर के मुताबिक, ये अंडे साल 1885 से लेकर साल 1917 में जार निकोलस द्वितीय को पद छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने तक बनाए जाते रहे थे।

4,500 हीरों से सजा हुआ है यह अंडा

इस दुर्लभ अंडे की नीलामी लंदन स्थित क्रिस्टीज नीलामीघर द्वारा की गई है। हालांकि, अभी खरीदार का नाम सामने नहीं आया है।4,500 हीरों से सजे इस अंडे को रूस के अंतिम शासक सम्राट जार निकोलस द्वितीय ने साल 1913 में अपनी मां मारिया फियोदोरोव्ना को उपहार के रूप में बनवाया था। 8.2 सेमी (3.2 इंच) ऊंचा यह अंडा कार्ल फैबर्जे द्वारा बनाया गया था।

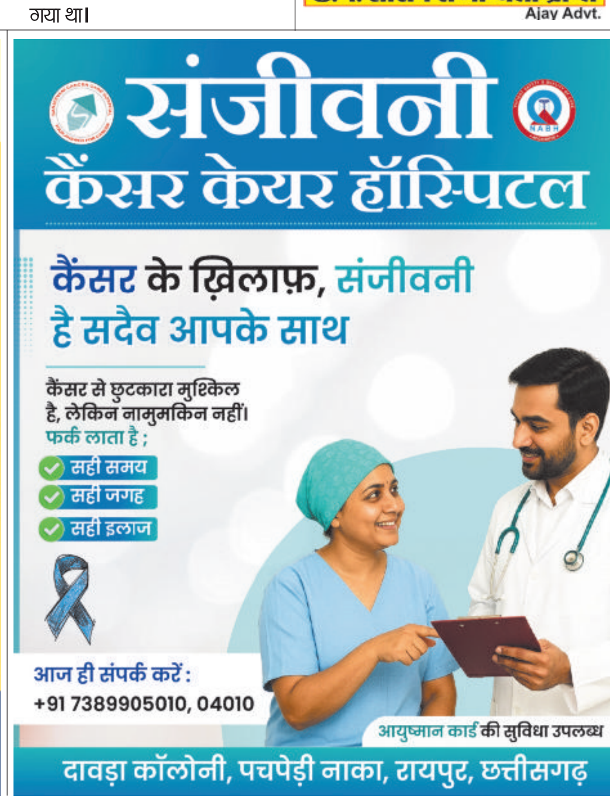

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com